दैनिक
घटती घटना

सभी पाठकों को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 62- गुरूवार 01- जनवरी 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ मनाई गई

अयोध्या में 2005 में आतंकी घुस आए थे..पीएसी ने ठक,ठक,ठक कर मार गिराया : सीएम योगी

अयोध्या,31 दिसम्बर 2025। अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ मनाई गई। इस मौके पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और सीएम योगी ने सबसे पहले हनुमानगढ़ी पहुंचकर पूजा-अर्चना और आरती की। फिर राम मंदिर में रामलला के दर्शन किए। आरती के बाद रक्षामंत्री ने प्रभु श्रीराम को दंडवत प्रणाम किया। शंख-मंजीरों की गूंज और 'सीता राम, सीता राम के भजन के बीच राजनाथ सिंह माता अन्नपूर्णा मंदिर पहुंचे। परकोटा के मंदिरों में पहली बार धर्म ध्वजा फहराई। पूरी रामनगरी भक्ति भाव में डूबी नजर आई। माहौल दो साल पहले प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन जैसा महसूस हुआ। इस बीच दोनों नेता अंगद टीला पहुंचे और जनसभा को संबोधित किया। योगी ने कहा...अयोध्या,जिसके नाम को सुनकर लगता है कि यहां कभी युद्ध नहीं हुआ। लेकिन, कुछ लोगों ने अपने स्वार्थ के लिए अयोध्या को भी संघर्ष और उपद्रव का अड्डा बना दिया था। पिछली सरकार ने अयोध्या को लहूलुहान करने का काम किया था। लेकिन, प्रभु की कृपा और बजरंगबली खुद जिसकी रक्षा कर रहे हो, वहां कोई क्या बिगाड़ पाएगा। 2005 में आतंकियों ने अयोध्या में घुसने का दुस्साहस किया था। लेकिन,पीएसी के जवानों ने ठक-ठक-ठक कर उन्हें मार गिराया था। दरअसल,5 जुलाई, 2005 की सुबह अयोध्या पर 5 आतंकियों ने हमला कर दिया था। लेकिन,वहां मौजूद सुरक्षा कर्मियों ने सभी आतंकियों को मार गिराया था। वहीं,राजनाथ सिंह ने कहा...ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने भगवान राम की मर्यादा का पालन किया। जैसे राम का लक्ष्य रावण का संहार नहीं,बल्कि अधर्म का अंत था। हमारा भी वही लक्ष्य था कि हम आतंकियों और उनके आकाओं को सबक सिखा कर आएंगे। हमने बस वही किया। योगी ने राजनाथ सिंह का स्वागत करते हुए कहा...जब वो यूपी के मुख्यमंत्री थे,यूपी सरकार और संगठन के दायित्वों को निभा रहे थे,तब भी वो राम मंदिर आंदोलन में अहम भूमिका निभा रहे थे।

राजनाथ और योगी ने कहा...

राजनाथ सिंह ने माता अन्नपूर्णा के मंदिर के शिखर पर धर्म ध्वजा फहराई। मंदिर की ऊंचाई 70 फीट है। अब इस पर 4.25 मीटर की त्रिभुजाकार धर्म ध्वजा लहरा रही। यह ऐतिहासिक पल रहा, क्योंकि परकोटा के मंदिरों में पहली बार धर्म ध्वजा फहराई गई। इससे पहले पीएम मोदी ने 25 नवंबर को राम मंदिर पर धर्म ध्वजा फहराई थी। इससे पहले राजनाथ और योगी ने हनुमानगढ़ी की परिक्रमा की। राजनाथ ने महंत प्रेमदास के पैर छुए किए और उनके पास रखे आसन पर बैठे। पीएम मोदी ने भी 'एक्स' पर पोस्ट कर वर्षगांठ को आस्था और संस्कारों का एक दिव्य उत्सव बताया। राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार 22 जनवरी, 2024 को हुई थी। उस दिन हिंदी पंचांग के अनुसार पौष शुक्ल द्वादशी का दिन था। आज भी यही तिथि है। इस वजह से प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ मनाई गई।

इस पावन भूमि पर आकर मैं बहुत अभिभूत हूं : रक्षा मंत्री

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी सियावर रामचंद्र की जयघोष के साथ अपना संबोधन शुरू किया। इस मौके पर रक्षा मंत्री ने कहा कि आज इस पावन भूमि पर आकर मैं बहुत अभिभूत हूं। आज मुझे सब कुछ मिल गया। आज से दो वर्ष पूर्व प्रभु श्रीराम 500 वर्षों के इंतजार के बाद भव्य मंदिर में विराजमान हुए थे। रामलला का यह मंदिर हजारों वर्षों तक भगवान श्रीराम के जीवन का गुणगान करता रहेगा। राम मंदिर बनना दुनिया के ग्रैंड नैरेटिव में से एक है। राम मंदिर से बड़ा आंदोलन, दुनिया में दूसरा आंदोलन नहीं हुआ। आज हमारे ध्वज समंदर पार भी गगन से बातें कर रहे हैं। अयोध्या में धर्म की ध्वजा लहरा रही है। आज डबल इंजन की सरकार के नेतृत्व में अयोध्या आगे बढ़ रही है। सोलर सिटी, रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट जैसी सुविधाओं के साथ अयोध्या विकास की अग्रिम पंक्ति में खड़ा है। धर्म, कर्तव्य, नीति और मर्यादा के कोई साक्षात स्वरूप हैं तो वह हमारे राम हैं। राम धर्क के रक्षक ही नहीं धर्म के अनुशीलक भी हैं। राम वह चेतना है जो मनुष्य को मनुष्य बनाए रखती है। जहां किसी ने आखिरी आशा छोड़ी नहीं,वहां राम हैं।

नए साल 2026...धार्मिक और पर्यटन स्थलों पर लोगों का जनसैलाब

काशी-अयोध्या-वृंदावन में 10 लाख श्रद्धालु पहुंचे...

नई दिल्ली,31 दिसम्बर 2025। नए साल से पहले देशभर के धार्मिक और पर्यटन स्थलों पर लोगों का जनसैलाब उमड़ आया है। प्रभु राम की नगरी अयोध्या में रामलला के दर्शन के लिए 2 लाख से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे हैं। वहीं बाबा भोले की नगरी काशी के विश्वनाथ मंदिर में 3 लाख और ठाकुर जी नगरी वृंदावन में 4 लाख भक्त मौजूद हैं। राजस्थान के जैसलमेर में बीते 10 साल में सबसे ज्यादा भीड़ है। सीकर के खाटूश्यामजी में नए साल के मौके पर 72 घंटे दर्शन की व्यवस्था की गई है। उज्जैन के महाकाल लोक में साल के पहले दिन 12 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान जताया गया है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद घाटी में फिर से रौनक लौट आई है। पर्यटन स्थलों पर सैलानियों की भीड़ है। गुलमर्ग और पहलगाम जैसे विंटर डेस्टिनेशन में होटलों की बुकिंग करीब 100 प्रतिशत तक पहुंच गई है। यूपी की तीर्थनगरी काशी,मथुरा और अयोध्या में साल 2025 के अंतिम दिन श्रद्धालुओं की जबरदस्त भीड़ हैं। वाराणसी में सुबह की आरती देखने करीब 1 लाख से अधिक लोग पहुंचे। हालांकि, आम दिनों में यहां 5 से 10 हजार लोग जुटते हैं। यूपी के अलावा छत्तीसगढ़ के रतनपुर स्थित मां महामाया मंदिर और दंतेवाड़ा स्थित मां दंतेश्वरी मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ जुट रही है। कश्मीर में पहलगाम आतंकी हमले के बाद पैदा हुई अनिश्चितता खत्म होती दिख रही है। नए साल के जश्न से पहले घाटी के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर रौनक लौट आई है। गुलमर्ग और पहलगाम जैसे विंटर डेस्टिनेशन में होटलों की बुकिंग करीब 100 प्रतिशत तक पहुंच गई है।

मौसम विभाग के बर्फबारी के पूर्वानुमान ने इस उत्साह को और बढ़ा दिया है। गुलमर्ग के होटल मैनेजर बताते हैं, 'क्रिसमस और अब न्यू ईयर पर 100 प्रतिशत बुकिंग है। घरेलू पर्यटकों ने कश्मीर पर फिर से भरोसा जताया है। वहीं गुलमर्ग में पौनी (खच्चर) चलाने वाले ने बताया, 'पिछले एक हफ्ते से पर्यटकों की संख्या काफी बढ़ गई है। अब मैं रोजाना करीब 1,500 रुपए कमा रहा हूं।' उमर अब्दुला सरकार भी पर्यटकों को लुभाने के लिए विंटर स्पोर्ट्स गेम्स का आयोजन कर रही है।

सरकार ने दर्द निवारक दवा निमेसुलाइड के उत्पादन पर लगाया बैन

नई दिल्ली,31 दिसम्बर 2025। केंद्र सरकार ने दर्द निवारक दवा निमेसुलाइड के निर्माण पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसके साथ ही, निमेसुलाइड की ऐसी सभी खाने वाली (ओरल) दवाओं की बिक्री और वितरण भी प्रतिबंधित कर दिया गया है, जिनमें 100 मिलीग्राम से अधिक मात्रा होती है। यह प्रतिबंध 1940 के औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम की धारा 26ए के तहत ड्रग्स तकनीकी सलाहकार बोर्ड से परामर्श के बाद लगाया गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय की अधिसूचना में कहा गया है कि 100 मिलीग्राम से अधिक डोज वाली निमेसुलाइड दवाओं के इस्तेमाल से मानव स्वास्थ्य को जोखिम हो सकता है और इनके सुरक्षित विकल्प पहले से मौजूद हैं। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने इसको लेकर 29 दिसंबर 2025 को अधिसूचना जारी की। मंत्रालय ने बताया कि निइमेसुलाइड की 100 मिलीग्राम से ज्यादा मात्रा वाली ओरल दवाएं मानव स्वास्थ्य के लिए जोखिम हो सकती हैं,जबकि इसके सुरक्षित विकल्प बाजार में उपलब्ध हैं। इसी वजह से जनहित में यह कदम उठाया गया है। सरकार ने स्पष्ट कहा कि यह प्रतिबंध औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम के तहत लगाया गया है और यह तत्काल प्रभाव से लागू होगा। इसके तहत देश में निमेसुलाइड की तय मात्रा से अधिक वाली ओरल दवाओं का निर्माण, बिक्री और वितरण पूरी तरह बंद रहेगा। इससे पहले मंत्रालय ने औषधि एवं प्रसाधन सामग्री नियम, 1945 में संशोधन का मसौदा भी जारी किया था और इस पर आम लोगों से आपत्तियां और सुझाव मांगे गए थे। तय समय के भीतर मिले सुझावों पर विचार करने के बाद सरकार ने यह अंतिम फैसला लिया। सरकार का कहना है कि यह कदम लोगों की सेहत को सुरक्षित रखने के लिए जरूरी है और दवाओं के इस्तेमाल में किसी भी संभावित खतरे को रोकने के मकसद से उठाया गया है।

कांग्रेस बोली...चीन राष्ट्रीय सुरक्षा का मजाक उड़ा रहा,ट्रम्प भी 65 बार भारत-पाकिस्तान युद्ध रुकवाने का दावा कर चुके

नई दिल्ली,31 दिसम्बर 2025। चीन के भारत-पाकिस्तान युद्ध रुकवाने के दावे पर कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से स्पष्टता की मांग की है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की चुप्पी बेहद चिंताजनक है और इससे राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े गंभीर सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा- 4 जुलाई को सेना के उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल राहुल सिंह ने कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत वास्तव में चीन का सामना कर रहा था। अगर चीन ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के साथ खड़ा था, तब उसका भारत-पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता का दावा बेहद चिंताजनक है। ऐसे बयान हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा का मजाक उड़ाने जैसे लगते हैं। रमेश ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प लगातार यह दावा करते रहे हैं कि 10 मई को ऑपरेशन सिंदूर को रोकने के लिए उन्होंने व्यक्तिगत तौर पर हस्तक्षेप किया था। ट्रम्प ने अलग-अलग मंचों और कम से कम सात देशों में 65 बार यह बात कही, लेकिन प्रधानमंत्री ने अपने मित्र के इन दावों पर आज तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

केंद्र सरकार ने नासिक-सोलापुर और मोहाना-कोरापुट के 2 हाईवे प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी,20,668 करोड़ होंगे खर्च

नई दिल्ली,31 दिसम्बर 2025। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने महाराष्ट्र में नासिक-सोलापुर-अक्कलकोट के बीच 374 किमी लंबे 6 लेन ग्रीनफील्ड कॉरिडोर को मंजूरी दी है। 19,142 करोड़ रुपए की यह परियोजना टोल मोड पर बनेगी और प्रमुख क्षेत्रीय शहरों की कनेक्टिविटी बेहतर करेगी। यह कॉरिडोर दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे,आगरा-मुंबई कॉरिडोर और समृद्धि महामार्ग से जुड़ेगा,जिससे पश्चिमी तट से पूर्वी तट तक निर्बाध संपर्क संभव होगा। 6 लेन एक्सेस-कंट्रोल्ड कॉरिडोर से यात्रा समय 31 घंटे से घटकर लगभग 17 घंटे रह जाएगा और दूरी 201 किमी कम होगी। इससे लॉजिस्टिक्स सुधरेगा और लाखों मानव-दिवस का रोजगार सृजित होगा। इसके अलावा, कैबिनेट ने ओडिशा में एनएच-326 के किमी 68.600 से 311.700 तक के हिस्से को 2 लेन से 2 लेन पक्के शोल्डर के साथ चौड़ा और मजबूत करने को भी मंजूरी दी है। ईपीसी मोड पर बनने वाली इस परियोजना की लागत 1,526.21 करोड़ रुपए है। इससे मोहाना-कोरापुट क्षेत्र को आर्थिक और लॉजिस्टिक्स कॉरिडोर से सीधी और बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नेशनल मीडिया सेंटर (एनएमसी) में पत्रकार वार्ता में कहा कि नासिक से अक्कलकोट तक ग्रीनफील्ड कॉरिडोर को वधावन पोर्ट इंटरचेंज के पास दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे, नासिक में एनएच-60 (अडेगांव) के जंक्शन पर आगरा-मुंबई कॉरिडोर और पांगरी (नासिक के पास) में समृद्धि महामार्ग से जोड़ने का प्रस्ताव है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित कॉरिडोर पश्चिमी तट से पूर्वी तट तक सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। चेन्नई पोर्ट छोर से चेन्नई से हासापुर (एमएच बॉर्डर) तक तिरुवल्लूर, रेनिगुंटा, कडप्पा और कुरनूल (700 किमी लंबा) होते हुए 4-लेन कॉरिडोर पहले से ही बन रहा है।

चमोली की सुरंग में दो लोको ट्रेनें टकराई 100 से ज्यादा घायल,5 की हालत गंभीर

चमोली,31 दिसम्बर 2025। चमोली जिले के पीपलकोटी स्थित जल विद्युत परियोजना क्षेत्र में बनी सुरंग में दो लोको ट्रेनें आपस में टकरा गईं, जिसमें 100 से ज्यादा मजदूर घायल हुए हैं। जिनमें से 5 की हालत गंभीर बताई जा रही है। दुर्घटना के समय ट्राली में करीब 110 इंजीनियर,कर्मचारी और मजदूर सवार थे,जो अपनी शिफ्ट पूरी कर वापस लौट रहे थे। हादसे में घायल लोगों में से 70 को जिला अस्पताल और 17 को एक अन्य अस्पताल में भर्ती कराया है। 66 घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक घायलों में ज्यादातर मजदूर बिहार, ओडिशा और झारखंड के रहने वाले हैं। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई, जिसके बाद अन्य कर्मचारियों की मदद से सभी घायलों को बाहर निकाला गया और अस्पताल पहुंचाया। घटना की सूचना मिलते ही सीएम पुष्कर धामी ने जिलाधिकारी चमोली से फोन पर बात कर पूरे मामले की जानकारी ली। सीएम ने निर्देश दिए कि सभी घायलों को बेहतर चिकित्सीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं और जरुरत पड़ने पर उन्हें उच्च चिकित्सालयों में रेफर किया जाए। मौके पर पहुंचे डीएम ने बताया कि हादसा शिफ्ट चेंज के दौरान हुआ,गंभीर रूप से घायल हुए लोगों के हाथ-पैर में फ्रैक्चर आया है।

खरगे का मोदी सरकार पर हमला

केंद्र सरकार से अगले वर्ष सुशासन की कामना की

नई दिल्ली,31 दिसम्बर 2025। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मोदी सरकार पर निशाना साधकर भाजपा पर 2025 में कई मोर्चों पर नाकाम रहने और कुशासन का आरोप मढ़ दिया है। नव वर्ष की पूर्व संध्या पर उन्होंने केंद्र सरकार से अगले वर्ष सुशासन की कामना की। बेंगलुरु में कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कहा कि मैं प्रार्थना करता हूं कि यह वर्ष अच्छा बीते और हम सभी खुश रहें। मुझे उम्मीद है कि नया साल सभी के लिए समृद्धि और खुश लेकर आए। इससे पहले राज्यसभा के विपक्ष ने भाजपा पर हमला करते हुए एम जी एन आर ई जी ए के प्रतिस्थापन, गिरते रुपये और मुद्रास्फीति सहित 14 विवादित मुद्दों का हवाला दिया। एम जी एन आर ई जी ए और मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन का हवाला देते हुए,जिन दो मुद्दों पर कांग्रेस ने 2025 के चुनाव में एकजुटता दिखाई थी, उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार नागरिकों के काम करने और वोट देने के अधिकार को छीन रही है। कांग्रेस नेता ने पोस्ट कर लिखा कि साल के अंतिम दिन, यह याद दिलाना जरूरी है कि भाजपा शासन के 11 वें वर्ष, 2025 में देश का संचालन कैसे हुआ हैं, एमजीएनआरईजीए को खत्म करके लाखों गरीबों से काम का अधिकार छीना गया है।

डीआरडीओ ने हासिल की बड़ी उपलब्धि...प्रलय मिसाइल का सफल लॉन्च,एक ही लॉन्चर से दागी दो मिसाइलें

नई दिल्ली,31 दिसम्बर 2025। भारत की रक्षा क्षमता को नई मजबूती देते हुए रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन यानी डीआरडीओ ने प्रलय मिसाइल का सफल सैल्वो लॉन्च किया है। यह परीक्षण देश की स्वदेशी मिसाइल तकनीक और त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता का बड़ा प्रदर्शन माना जा रहा है। एक ही लॉन्चर से कम समय के अंतराल में दो मिसाइलों का सफल प्रक्षेपण अपने आप में अहम उपलब्धि है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, बुधवार की सुबह करीब 10:30 बजे ओडिशा तट के पास एक ही लॉन्चर से दो प्रलय मिसाइल दागी गईं। यह उड़ान परीक्षण यूजर इवैल्यूएशन ट्रायल्स के तहत किया गया। दोनों मिसाइलों ने तय की गई दिशा का पूरी तरह पालन किया और सभी उड़ान उद्देश्यों को सफलतापूर्वक हासिल किया। प्रलय मिसाइल का विकास हैदराबाद स्थित रिसर्च सेंटर इमारत के नेतृत्व में किया गया है। इसमें डीआरडीओ की कई प्रयोगशालाओं और भारतीय उद्योगों का सहयोग रहा है। भारत डायनेमिक्स लिमिटेड और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने विकास-सह-उत्पादन भागीदार के रूप में सिस्टम इंटीग्रेशन का काम किया। इस परीक्षण को डीआरडीओ के वरिष्ठ वैज्ञानिकों, भारतीय वायुसेना और भारतीय सेना के प्रतिनिधियों ने देखा।

ट्रैकिंग और टेलीमेट्री से पुष्टि

इस परीक्षण के दौरान मिसाइलों की उड़ान पर कड़ी नजर रखी गई। चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज द्वारा तैनात ट्रैकिंग सेंसरों ने पूरे ट्रैजेक्टरी की पुष्टि की। वहीं,लक्ष्य क्षेत्र के पास तैनात जहाजों पर लगे टेलीमेट्री सिस्टम के जरिए अंतिम चरण की घटनाओं को भी सफलतापूर्वक रिकॉर्ड किया गया।

प्रलय मिसाइल की खासियत

प्रलय एक स्वदेशी ठोस ईंधन से चलने वाली क्वासी-बैलिस्टिक मिसाइल है। इसमें अत्याधुनिक गाइडेंस और नेविगेशन सिस्टम लगाए गए हैं,जिससे यह बेहद सटीक निशाना लगाने में सक्षम है। यह मिसाइल अलग-अलग तरह के वारहेड ले जाने में सक्षम है और विभिन्न लक्ष्यों को भेद सकती है, जिससे इसकी उपयोगिता और प्रभावशीलता बढ़ जाती है।

विधानसभा चुनाव से पहले कोलकाता में अमित शाह की अहम बैठक

भाजपा ने अपनी रणनीति को धार देना किया शुरू, संगठन में तालमेल और अनुशासन पर दिया विशेष जोर

कोलकाता,31 दिसम्बर 2025। पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी ने अपनी रणनीति को धार देना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बुधवार को कोलकाता के साइंस सिटी में पार्टी संगठन की एक अहम बैठक की। इस बैठक को चुनावी तैयारी के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बैठक में राज्य संगठन की मौजूदा स्थिति, कार्यकर्ताओं की सक्रियता और बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने पर विस्तार से चर्चा हुई। अमित शाह ने नेताओं से साफ कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव बंगाल के लिए निर्णायक हैं और पार्टी को हर स्तर पर पूरी तैयारी के साथ मैदान में उतरना होगा। उन्होंने जमीनी हालात की समीक्षा करते हुए संगठन में तालमेल और अनुशासन पर विशेष जोर दिया। साइंस सिटी में हुई इस बैठक में पार्टी के वरिष्ठ नेता, संगठन पदाधिकारी और चुनावी रणनीति से जुड़े प्रमुख चेहरे मौजूद रहे। शहरी इलाकों में पार्टी की स्थिति, मतदाताओं तक पहुंच और स्थानीय मुद्दों को लेकर भी मंथन किया गया।

अमित शाह ने कार्यकर्ताओं को संदेश दिया कि जनता के बीच लगातार संपर्क बनाए रखना और सरकार की नीतियों को स्पष्ट तरीके से पहुंचाना जरूरी है।

बैठक के दौरान बंगाल की राजनीतिक परिस्थिति, विपक्ष की रणनीति और आगामी महीनों की कार्ययोजना पर भी विचार किया गया। माना जा रहा है कि इस बैठक के जरिए अमित शाह ने संगठन को चुनावी मोड में लाने का स्पष्ट संकेत दे दिया है।

प्रदूषण से घिरी दिल्ली में कोहरे का कहर 148 फ्लाइट्स रद्द,ट्रेनें भी हो रहीं लेट

नई दिल्ली,31 दिसम्बर 2025। दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण के कारण सांस लेना काफी मुश्किल है। यहां ताजगी भरी हवा का अभाव है। बगैर मास्क के घर से निकलना संभव नहीं है। ऐसे में कोई ये सोचे की कुछ दिन दिल्ली से बाहर जाकर चैन के सांस ले लें तो वो भी संभव नहीं है। क्योंकि यहां कोहरे की मार के चलते 148 फ्लाइट्स रद्द हुई हैं और ट्रेनें भी लेट हो रही हैं। खुद के वाहन से जाएं तो कोहरा इतना कि कुछ ही मीटर पर कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा है। मतलब दुर्घटना का डर बना रहता है। ऐसे में दिल्ली एनसीआर के लोग विकट चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। दिल्ली-एनसीआर में बुधवार सुबह घना कोहरा छाने से विजिबिलिटी काफी कम हो गई। इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर परिचालन संबंधी दिक्कतों के कारण 148 फ्लाइट्स रद्द कर दी गईं, जिनमें 70 प्रस्थान और 78 आगमन शामिल हैं। इसके अलावा दो फ्लाइट्स को डायवर्ट किया गया। इसके साथ ही, कोहरे की वजह से ट्रेन सर्विस पर बुरा असर पड़ा है। ट्रेन लेट होने की वजह से दिल्ली में स्टेशनों पर यात्रियों को इंतजार करना पड़ रहा है। एयर क्वालिटी अर्ली वार्निंग सिस्टम ने 31 दिसंबर और 1 जनवरी को हवा की गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में रहने की चेतावनी दी है।

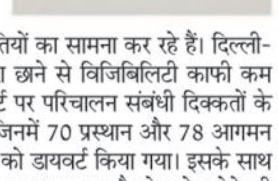

संपादकीय

लापरवाही बढ़ा रही सड़क हादसों को

इसका समय से सही समाधान अनिवार्य है...

अपने देश में वाहनों की संख्या तेजी से बढ़ रही है,जो देश के विकास के साथ-साथ भविष्य में दोगुनी गति से बढ़ेगी। लिहाजा यातायात पर विशेष ध्यान देते हुए सड़कों का चौड़ीकरण किया जाना चाहिए और शानदार हाईवे भी बनाए जाने चाहिए। सड़क सुरक्षा भविष्य में बहुत बड़ी प्रशासनिक समस्या होने वाली है। इसका समय से सही समाधान आवश्यक ही नहीं,अनिवार्य है...

देश में हर दिन कोई न कोई बड़ी सड़क दुर्घटना होती है। कभी-कभी तो एक ही दिन कई जानलेवा हादसे होते हैं, जिनमें कई लोग मारे जाते हैं। इधर घने कोहरे के कारण मार्ग दुर्घटनाओं का जोखिम और बढ़ गया है। पिछले दिनों घने कोहरे के कारण देश के विभिन्न हिस्सों में कई मार्ग दुर्घटनाएं हुईं। इनमे सबसे भंयकर रही आगरा से नोएडा जाने वाले एक्सप्रेसवे पर। यहां एक कार और बस की टक्कर होने के बाद एक के बाद एक कुल 11 गाड़ियां आपस में टकरा गईं, जिनमें छह स्लीपर कोच और दो रोडवेज बसें भी थीं।

टक्कर के बाद कई वाहनों में आग लग गई,जिसमें दर्जन भर लोग जिंदा जलकर मर गए,जिनकी पहचान मुश्किल हो गई। एंबुलेंस,पुलिस,फायर सर्विस अथवा परिवहन से संबंधित कोई इकाई उनकी मदद नहीं कर सकी। डीएनए टेस्ट द्वारा उनके संबंधियों से मिलान कर शवों की पहचान की गई। उन परिवारों की पीड़ा का बयान शब्दों में संभव नहीं। ऐसी हर दुर्घटना के पीछे लापरवाही होती है। जब रात्रि के घने कोहरे में पैदल यात्रियों को भी चलना दूभर हो जाता है,तब पूरी रफ्तार से बिना आवश्यक सावधानी के स्लीपर या रोडवेज बसों का चलना गंभीर अपराध कहा जाएगा। यदि चालक अत्यधिक ड्यूटी के कारण नींद की झपकी ले रहे थे या वाहनों में आवश्यक फाग लाइटें नहीं थीं,अथवा कोई अन्य तकनीकी कमी थी तो यह बस मालिकों की भी गंभीर लापरवाही मानी जाएगी। पूरा देश जानता है कि दिसंबर और जनवरी के महीने में प्रतिवर्ष पूरे उत्तर भारत में कोहरा पड़ता है,जो अचानक किसी दिन घने,किसी दिन बहुत घने और कभी बहुत हल्का होता है।

आगरा-नोएडा एक्सप्रेसवे पर जिस दिन दुर्घटना हुई,उसके दो दिन पूर्व घने कोहरे के कारण लखनऊ इकाना स्टेडियम में होने वाला क्रिकेट मैच खिलाड़ियों के मैदान में उतर जाने के बाद भी स्थगित करना पड़ा था। मौसम विभाग की चेतावनी भी कोहरे को लेकर थी,परंतु इन गाड़ियों की रफ्तार नियंत्रण और चेकिंग इत्यादि की कोई व्यवस्था नहीं की गई। कम से कम कुछ चेकपोस्टों पर लाउडस्पीकरों से घोषणा कर वाहन चालकों को आगाह किया जा सकता था, लेकिन किसी को चिंता नहीं थी। प्रश्न है कि ऐसा क्यों हुआ? इसका मूल कारण किसी उच्चतम अधिकारी की स्पष्ट जिम्मेदारी का न होना है। इसका कारण यह है कि किसी की जवाबदेही नहीं होती और न ही कोई चिंता करता है। परिवहन विभाग ट्रैफिक पुलिस पर और ट्रैफिक पुलिस परिवहन विभाग पर दोष डालकर शांत हो जाते हैं और कुछ दिन बाद घटना भुला दी जाती है। ट्रैफिक पुलिस के अधिकारी समझते हैं कि उनकी जिम्मेदारी अब चौराहों तक सीमित है, ताकि यातायात अबाध रूप से चलता रहे।

आगरा-एक्सप्रेसवे पर भयंकर दुर्घटना के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कठोर रुख अपनाते ही दूसरे दिन उत्तर प्रदेश में एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण सक्रिय हो गया। आगरा, लखनऊ, बुंदेलखंड और पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर 50 पायलट गाड़ियां तैनात कर दी गईं और 75 संवेदनशील स्थान भी चुन लिए गए,जहां से गाड़ियां काफिले में नियंत्रित गति से चलाना प्रारंभ की गईं। चिह्नित स्थानों पर ब्लिंकर्स लगाए गए। जगह-जगह लाउडस्पीकर लगाकर सतर्क करने की व्यवस्था की गई।

इन चारों एक्सप्रेसवे पर हर 50 किमी की दूरी पर विशेष वाहनों की तैनाती की गई,जिसमें गश्ती वाहन,एंबुलेंस और रेस्क्यू वाहन लगाए गए। गाड़ियों को प्रवेश बिंदुओं पर रोककर रिफ्लेक्टर और फाग लाइटें लगाई गईं। अग्निशमन वाहनों की व्यवस्था की गई। वाहनों की गति सीमा निर्धारित कर उसे लागू किया गया और न मानने वालों के चालान काटे गए। यह दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि यह सब पहले नहीं किया जा सका। पुलिस और प्रशासन दुर्घटना होने के बाद चेतता है। इसका एक कारण यह है कि देश भर में आम तौर पर यातायात पुलिस को शहर के चौराहों तक सीमित कर दिया गया है, जबकि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने में पुलिस से अधिक प्रभावशाली योगदान किसी और विभाग का हो ही नहीं सकता।

सभी प्रदेशों में थानों-चौकियों के जरिये हर कहीं यातायात पुलिस की पहुंच है। इससे भी बड़ी बात यह है कि पुलिस 24 घंटे ड्यूटी को उपलब्ध रहती है और किसी भी घटना स्थल पर सबसे पहले वही पहुंचती है। पूरे देश में प्रतिवर्ष लगभग 1,60,000 दुर्घटनाएं होती हैं। मार्ग दुर्घटनाओं में मरने और घायल होने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है,पर उनके प्रति अफसोस प्रकट कर कर्तव्य की इतिश्री कर ली जाती है। कभी-कभी लगता है कि वाहन चालकों को कानून का कोई भय ही नहीं है। इस व्यवस्था में सुधार तब तक संभव नहीं है,जब तक कि एक विभाग विशेष की जवाबदेही तय नहीं कर दी जाती। जिम्मेदारी जवाबदेही से आती है। यही विभाग अन्य विभागों से समन्वय स्थापित कर पूरे वर्ष बदलते मौसम,त्योहारों,विशेष यात्राओं इत्यादि को ध्यान में रखते हुए व्यवस्था करने के लिए जिम्मेदार हो।

अपने देश में वाहनों की संख्या तेजी से बढ़ रही है,जो देश के विकास के साथ-साथ भविष्य में दोगुनी गति से बढ़ेगी। लिहाजा यातायात पर विशेष ध्यान देते हुए सड़कों का चौड़ीकरण किया जाना चाहिए और शानदार हाईवे भी बनाए जाने चाहिए। सड़क सुरक्षा भविष्य में बहुत बड़ी प्रशासनिक समस्या होने वाली है। इसका समय से सही समाधान आवश्यक ही नहीं,अनिवार्य है।

नये साल का रोचक इतिहास

लाल बिहारी लाल

नव वर्ष उत्सव मनाने की परंपरा 4000 वर्ष पहले बेबीलोन(मध्य ईराक) से शुरु हुई थी जो 21 मार्च को मनाया जाता था,पर रोम के शासक जुलियस सीजर ने ईसा से 45 ई. पूर्व जूलियन कैलेंडर की स्थापना विश्व में पहली बार की तब ईसा पूर्व इसके 1 साल पहले का वर्ष यानी 46वें ईसा पूर्व वर्ष को 445 दिनों का कर दिया और इसे 1 जनवरी को नव वर्ष मनाया तभी से हर साल 1 जनवरी को नव वर्ष मनाते आ रहे है।

एक अमेरिकी फिजीशियन एलाँयासिस लिलिअस ने एक ग्रिगेरियन कैलेंडर की शुरुआत 15 अक्टूबर ,1582 में की इसके तहत साल दस महिने का था । इसमें भी 1 जनवरी को नया साल मनाने की शुरुआत हुई पर ईसाई इसे क्रिसमस दिवस को ही मनाते है नया साल । नया साल मनाने का मुख्य उदेश्य की जीवन में नये चेतना का संचार करना यानी जीवन चक्र को रिचार्ज करना है। इस दिन हर्ष और उल्लास से काम धाम में लग जाते है। आज सारी दुनिया में 1 जनवरी को ही अधिकांश देश नव वर्ष मनाते है। यहुदियों का नव वर्ष 5 सितंबर से 5 अक्टूबर के बीच आता है। इस्लामी कैलेंडर की नया साल मुहर्म के दिन से शुरु होता है जो ग्रीगेरियन से प्रेरित है।

भारत देश की बात करे तो यहा अनेक जाति धर्म के लोग रहते है और अपनी संस्कृति एंव परंपराओं के अनुसार अलग-अलग समय पर नव वर्ष मनाते है। हिन्दुओं के नया वर्ष चैत मास के प्रतिपदा (पहले) के दिन मनाते है। इसी दिन सिंधी चोटी चंड मनाते है। इसी दिन सूर्योदय से ब्रम्हा जी ने सृष्टि की रचना प्रारंभ की थी। बात करे पंजाब की तो फसलों के तैयार होने पर 13 अप्रैल को वैशाखी के दिन मनाते है। वही बंगाल और बंगला देश में पोहेला बोइसाख(बैसाखी) 14 और 15 अप्रैल को मनाते है। वही आंध्र प्रदेश में उगादी और तमिलनाडू में विशु 13 या 14 अप्रैल को मनाते है जबकि 15 जनवरी को पोंगल अधिकारिक रुप से मनाया जाता है। और कर्नाटक में उगाड़ी, महाराष्ट्र में गुड़ी पड़वा मनाते है । माड़वाड़ी दीपावली को दिन मनाते है जबकि गुजराती दीपावली के दूसरे दिन मनाते है। इसी दिन जैन धर्म के अनुआयी भी नव वर्ष मनते है। यह त्योवहार अक्टूबर-नवंबर में आता है। काश्मिरी कैलेंडर के हिसाब से नवरेह 19 मार्च को मनाते है। चैत प्रतिपदा के दिन ही सम्राट विक्रमादित्य ने राज पाट संभाला था इन्हीं के नाम पर विक्रम समवत की शुरुआत हुई जो चैत महिने का पहला दिन हैं ,तो आप भी खुशियों के साथ नये दिन की शुरुआत करे । आप सभी को नव वर्ष मंगलमय हो।

आओ नव वर्ष संकल्प करें...

शाम लाल कौशल
रोहतक,हरियाणा

संसार के अनेक देशों की तरह भारत में भी हर बार नया साल बहुत उत्साह,मस्ती तथा हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है! नए वर्ष पर पहले तो ग्रीटिंग कार्ड का आदान-प्रदान होता था ,आजकल एसएमएस का आदान-प्रदान होने लगा है! नए साल के जशन मनाए जाते हैं! लोग परिवार के सदस्यों के साथ महंगे महंगे होटलों में नाच गाने के बाद डिनर करते हैं। कुछ लोग नए साल के शुभ आगमन पर संकल्प करते हैं। हमारे समाज में संकल्प करना हजारों सालों से एक परंपरा रही है। कुछ लोग नव वर्ष पर अपने बिजनेस में और ज्यादा तरक्की करने का संकल्प लेते हैं! योजनाएं बनाते हैं, साधनों को एकत्रित करने तथा निवेश करने के बारे में खाका तैयार करते हैं। कुछ अन्य लोग शराब छोड़ने के लिए संकल्प करते हैं। यूं तो शराबी लोग हर रात शराब पीने से पहले अपने आप को यह कहकर शराब छोड़ने का संकल्प करते हैं,बस! आज आज ही थोड़ी सी पी लेता हूं। कल से मेरी तथा मेरे बाप की भी शराब पीने से तौबा। लेकिन साहब वह वायदा ही क्या जो वफा हो गया। वायदे तो किये ही जाते हैं तो तोड़ने के लिए और शराबियों ने तो शराब छोड़ने के लिए कब-कब और कितने-कितने संकल्प बीवी,बहन , भाई तथा दोस्तों से किए होंगे। मैं समझता हूं कि नव वर्ष पर पति-पत्नी को मिल बैठकर संकल्प करना चाहिए कि वे आपस में कभी झगड़ा नहीं करेंगे,एक दूसरे से कुछ भी नहीं छुपाएंगे,एक दूसरे की इज्जत करेंगे,किसी तीसरे में दिलचस्पी नहीं दिखाएंगे, घर के बुजुर्गों की इज्जत करेंगे तथा बच्चों के सामने कलह क्लेश करके उन्हें गलत शिक्षा नहीं देंगे। अगर ऐसा होता है तो घर खुशियों से भरपूर होगा और घर स्वर्ग बन जाएगा।

नव वर्ष पर हमारे राजनेताओं को भी संकल्प करना चाहिए कि वे मन,कर्म और वचन से जनप्रतिनिधि के तौर पर ही व्यवहार करेंगे,भ्रष्ट तरीकों से तौबा करेंगे,संसद की मर्यादा बनाए रखेंगे,एक दूसरे पर छींटाकशी नहीं करेंगे, सरकार की जनकल्याण संबंधी नीतियों का समर्थन करेंगे, विरोध के लिए विरोध नहीं करेंगे, देश में जातिवाद,सांप्रदायिकता, आतंकवाद,क्षेत्रीयवाद तथा भाषावाद नहीं फैलने देंगे सदन में नियमित तौर पर हाजिर होकर इसकी कार्रवाई में हिस्सा लेंगे। अगर ऐसा होता है तो हमारे देश का लोकतंत्र विश्व के लिए एक आदर्श बन जाएगा। क्या हमारे देश के राजनेता नव वर्ष पर सचमुच ही ऐसा संकल्प ले सकेंगे।

एक संकल्प हमारे देश के टीवी चैनलों को भी करना चाहिए। हमारे देश में इस समय लगभग 500 टीवी चैनल चल रहे हैं जिनका मुख्य उद्देश्य मनोरंजन, जानकारी तथा समाचारों के द्वारा बीच-बीच में विज्ञापनों द्वारा बहुत रुपए कमाना ही है। यह टीवी चैनल बेशक इस प्रकार धन कमाए,लेकिन आम दर्शकों को दिखाए जाने वाले समाचार निष्पक्ष हो, दिखाए जाने वाले सीरियल गरिमा, मर्यादा,भारतीय परंपरा तथा नैतिकता का इतना तो ध्यान रखें कि हम परिवार के सभी सदस्य,बड़े बूढ़े,स्त्री पुरुष तथा बच्चे मिल बैठकर इनका आनंद उठा सकें। टीवी सीरियल मनोरंजक, शिक्षाप्रद तथा जानकारी बढ़ाने वाले होने चाहिए। उन में हिंसा,हत्या, बलात्कार,चोरी डकैती, अपहरण आदि का महिमा मंडन नहीं करना चाहिए। बुजुर्गों, स्त्रियों तथा बच्चों की कोमल भावनाओं का ध्यान रखना चाहिए। टीवी सीरियल लंबे तथा उबाऊ नहीं होने चाहिए। समाचार हमें डराने वाले, आपस में भेदभाव तथा नफरत फैलाने नहीं होने चाहिए बल्कि जानकारी निष्पक्षता के तौर पर देने वाले होने चाहिए। अगर कहीं ऐसा होता है तो टीवी देखना सचमुच ज्यादा उपयोगी हो जाएगा।

एक संकल्प,प्रतिभा खोज,, करने वाले संगठनों को भी करना चाहिए। कृपया इससे संबंधित कार्यक्रमों का प्रदर्शन तथा संचालन इस तरह करें कि युवाओं में अनैतिकता,छिछोरा पन,चरित्र हीनता तथा नंगापन ना आए। इस प्रकार के आयोजनों में अपनी बेटी के प्रतिभा प्रदर्शन पर अपने पिता को गर्व तो महसूस हो परंतु शर्म नहीं आनी चाहिए। नव वर्ष पर संकल्प तथा वायदे तो किए जाते हैं लेकिन निभा पाना सबके बस की बात नहीं होती तभी तो एक फिल्मी गाने में मन्ना डे ने कहा है,कसमे वादे,प्यार वफा। बातें हैं,बातों का क्या।

कविता

बढ़ाचल-बढ़ाचल-सुजल

ब्रह्मानन्द गर्ग सुजल
जैसलमेर,राजस्थान

तेरे जोश के आगे आसमां भी झुकेगा
तेरे हौंसलों के आगे तूफां भी थमेगा
तू चाहे तो क्या नहीं कर सकता
तेरे कर्म के आगे पर्वत भी पिघलेगा
उठ, अपनी तकदीर को तू ले बदल
हौंसला मत हार मुसाफिर बढ़ा चल बढा चल..1

जब जब चाहा तुने कुछ नया ही किया
तेरे इरादों ने नव निर्माण संभव ही किया
तेरे हौंसलों के आगे हर दीवार गिरी
तेरे आगे बाधाओं ने पथ बदल लिया
दिखा फिर तू अपनी बाजुओं का संबल
हौंसला मत हार मुसाफिर बढा चल बढा चल..2

तुफानों में भी कब रुका है तू
बाधाओं के आगे कब झुका है तू
तेरी सोच ने किनारे बदल दिए सागर के
आसमां की बुलंदी को छू चुका है तू
बता दे जहाँ को फिर अपना तेज प्रचंड
हौंसला मत हार मुसाफिर बढा चल बढा चल..3

कोई काम नामुमकिन नहीं तेरे आगे
असफलता टिक नहीं सकती तेरे आगे
तू चाहे तो हवाओं का रुख़ मोड़ दे
कोई मंजिल असाध्य नहीं तेरे आगे
तेरी हुंकार से दिशाएँ जाती दहल
हौंसला मत हार मुसाफिर बढा चल बढा चल.. 4

सिमटते सेहरा तेरे बाजुओं के दम से
तेरे नूर ने फतह पायी है तम पे
तेरी परवाज़ कोई रोक नहीं सकता
चट्टानों सा अटल रहा तू हर सितम में
बसाए जा हर तरफ खुशियों के महल
हौंसला मत हार मुसाफिर बढा चल बढा चल.. 5

प्रेम का पंछी है गीत प्रेम के गाए जा
छोड़ नफरत प्रीत की रीत निभाए जा
दुनियाँ में जीना बस पल भर का है
हर लम्हा तू खुशियों से सजाए जा
दुनियाँ में रहता बस प्रेम का इक पल
हौंसला मत हार मुसाफिर बढा चल बढा चल.. 6

जिंदगी बस चलते रहने का नाम है
ठहर गया जो पा सका ना मुकाम है
तेरे लहूं की रवानी दिखा दे प्यारे
अभी तो आने बहुत इम्तिहान है
छोड़ यहाँ वहाँ की फिक्र तू चला चल
हौंसला मत हार मुसाफिर बढा चल बढा चल.. 7

हर शाम के बाद सवेरा तो आना है
उजाला किसी से रोका नहीं जाना है
गम ना कर अपनी तकदीर के पासों पर
जुनून रख अभी तो बहुत कुछ पाना है
आंखों में सजा सुंदर भविष्य चित्रण सफल
हौंसला मत हार मुसाफिर बढा चल बढा चल.. 8

भीड़ में रह कर जो जुदा लगते हैं
अपने दम पर वही इतिहास रचते हैं
जो हारा मन से वो कहीं जीता नहीं
कुछ करने का माद्दा हैं वो बस चलते हैं
छोड़ सवाल जवाब के सिलसिले सुजल
हौंसला मत हार मुसाफिर बढा चल बढा चल...

सर्दियों का मौसम और ये जोड़ों का दर्द

डॉ. मुश्ताक़ अहमद शाह सहज
हरदा,मध्य प्रदेश

सर्दियों का मौसम आते ही ठंडी हवाओं के साथ जोड़ों में दर्द की शिकायत आम हो जाती है। चाहे बुजुर्ग हों या नौजवान, ठंडक शरीर की गर्मी चुरा लेती है,जिससे जोड़ों में जकड़न, सूजन और दर्द बढ़ जाता है। आयुर्वेद के अनुसार,यह वात दोषके बढ़ने का संकेत है। लेकिन चिंता न करें,विटामिन युक्त आहार,हरी सब्जियां, तेल मालिश और कुछ घरेलू नुस्खे इस समस्या से राहत दिला सकते हैं। आइए जानें इनके बारे में। सबसे पहले विटामिन डी और सी पर ध्यान दें। सूरज की रोशनी कम होने से विटामिन डी की कमी हो जाती है, जो हड्डियों को कमज़ोर बनाती है। सुबह 15-20 मिनट धूप लें या अंडे की जर्दी,दूध और मशरूम जैसे खाद्य पदार्थ ग्रहण करें। विटामिन सी के लिए संतरा,नींबू और आंवला रोजाना लें,ये सूजन कम करते हैं और जोड़ों को मज़बूत बनाते हैं। घर पर पौष्टिक आहार बनाना आसान है। हल्दी वाला दूध (हल्दी-अदरक मिलाकर उबालें) रात को पिएं, बादाम भिगोकर खाएं,जो कैल्शियम और मैग्नीशियम से भरपूर होता है। तिल के बीज या तिल का लड्डू सर्दी में जोड़ों को गर्माहट देता है। हरी सब्जियां को कभी न भूलें। पालक, मेथी और सरसों का उपयोग जो विटामिन के और एंटीऑक्सीडेंट्स से समृद्ध होते हैं। इन्हें हल्का तला या सूप बनाकर खाएं। ये जोड़ों की चिकनाई बनाए रखते हैं और वात को संतुलित करते हैं। रोज़ाना एक कटोरी हरी सब्जी आपकी थाली में होनी चाहिए।तेल मालिश पुराना लेकिन असरदार नुस्खा है। तिल का तेल या सरसों का तेल हल्का गुनगुना करके हाथ-पैरों और जोड़ों पर 10-15 मिनट मालिश करें। इससे रक्त संचार बढ़ता है और ठंडक दूर होती है। नहाने से पहले करें तो बेहतर। योगासन जैसे ताड़ासन या भुजंगासन भी जोड़ों को लचीला बनाते हैं।ये उपाय अपनाकर सर्दी के दर्द से मुक्ति पाएं। लेकिन अगर दर्द गंभीर हो तो डॉक्टर से सलाह लें। स्वस्थ रहें, सक्रिय रहें!

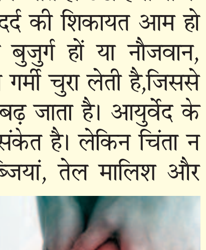

कई सवालों के जवाब देगा नया साल

अभिनेता से नेता के रूप में स्थापित होने के प्रयासों में जुटे विजय की पार्टी भी कुछ सीटों पर खेल बिगाड़ सकती है। महाराष्ट्र में बीएमसी के चुनाव में ठाकरे परिवार की प्रतिष्ठा दांव पर लगी होगी। एक लंबे समय के बाद साथ आए उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे अगर साथ मिलकर भी सफलता हासिल नहीं कर पाए तो फिर उनका राजनीतिक भविष्य अधर में अटक जाएगा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में भी चुनाव से पहले मेल-मिलाप जारी है, लेकिन उससे हासिल क्या होगा? अगला साल ऐसे तमाम सवालों के जवाब लेकर आएगा।

2026 में राजनीतिक मोर्चे पर काफी कुछ दांव पर लगा है...

राहुल वर्मा

देश के राजनीतिक परिदृश्य को निर्धारित करने के दृष्टिकोण से अगला वर्ष बहुत महत्वपूर्ण साबित होने वाला है। अगले वर्ष बंगाल,असम,तमिल नाडु,केरल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव होंगे,जिसमें सभी दलों का कुछ न कुछ दांव पर लगा हुआ है। सबसे धनाढ्य नगर निकाय बृहनमुंबई नगर निगम यानी बीएमसी के चुनाव भी होने हैं। कुछ राज्यसभा की रिक्त हो रही सीटों पर चुनाव की स्थिति में भी दलों के बीच खींचतान होती हुई दिख सकती है। अगला साल कई राजनीतिक पहेलियां भी सुलझाएगा। जैसे कि क्या देश भर में बड़े पैमाने पर विस्तार कर चुकी भाजपा अपने लिए राजनीतिक रूप से अनुर्वर साबित हो रहे प्रदेशों में भी अनुकूल स्थितियां बनाकर पैठ बढ़ा पाएगी या नहीं? भारत जोड़ो यात्रा के बाद पटरी पर आई कांग्रेस की जो गाड़ी फिर से बेपटरी हुई, क्या वह वापस पटरी पर आ पाएगी या नहीं? क्या अस्तित्व के संकट से जूझ रहे वामदल अपनी सत्ता के आखिरी दुर्ग को बचा पाएंगे या नहीं? क्षेत्रीय दल किस नियति को प्राप्त होंगे? भाजपा की चर्चा की जाए तो विधानसभा चुनाव इसकी पुष्टि करेंगे कि नए क्षेत्रों में पैठ बनाने के उसके प्रयासों को कितनी सफलता मिलेगी? जिन राज्यों में चुनाव होना है, वहां केवल असम में ही उसकी सरकार है और पुडुचेरी में उसके समर्थन वाली सरकार सत्तारूढ़ है। दस साल से असम की सत्ता पर काबिज भाजपा के लिए फिर से सत्ता में वापसी की ठीकठाक संभावनाएं तो दिख रही हैं, लेकिन यह तय है कि उसे इस बार गौरव गोगोई के नेतृत्व वाली कांग्रेस से कड़ी चुनौती मिल रही है। अगर कांग्रेस ने राजनीतिक कौशल दिखाया तो भाजपा के समीकरण गड़बड़ा भी सकते हैं। बंगाल में तमाम प्रयासों के बावजूद पार्टी दूसरे क्रम पर ही अटकी हुई है। ममता बनर्जी ने राज्य की सत्ता पर जिस मजबूती के साथ पकड़ बनाई हुई है, उससे भाजपा के लिए राह बिल्कुल आसान नहीं होने वाली। हालांकि बिहार की जीत से उत्साहित भाजपा नई ऊर्जा के साथ बंगाल के रण में उतरने की तैयारी कर रही है। एक रणनीति के तहत बांग्लादेशी घुसपैठियों का मुद्दा भी उसने जोर-शोर से उठाना शुरू कर दिया है।

दक्षिण में केरल और तमिलनाडु भाजपा के लिए दूर की कौड़ी बने हुए हैं। लोकसभा की 39 सीटों वाले तमिलनाडु में भरसक कोशिशों के बावजूद पिछले लोकसभा चुनाव में उसका खाता भी नहीं खुला था। ऐसे में वह यहां गठबंधन सहयोगियों के ही भरोसे है। केरल की दो ध्रुवीय राजनीति में भाजपा फिलहाल तीसरा ध्रुव बनने पर ही ध्यान टिकाए हुए है। तिरुअनंत पुरम के निकाय चुनाव में जीत से उसे थोड़ी ही सही,लेकिन ताकत और हौसला जरूर मिला है। ऐसे में देखना यही होगा कि विधानसभा चुनावों में पार्टी कितनी मजबूती से अपनी चुनौती पेश करती है? कांग्रेस के लिए अगला साल कम चुनौतीपूर्ण नहीं होने वाला। असम में वापसी की आस लगाए बैठी कांग्रेस बंगाल में तो लगभग हाशिए पर पहुंच गई है। तमिलनाडु में वह द्रमुक की पिछलग्गू बनकर रह गई है। पार्टी की वास्तविक उम्मीदें केरल से जुड़ी हुई हैं, जहां वह वाम दलों के मोर्चे से सत्ता झटकने की व्यूह रचना बनाने में जुटी है। उसके लिए अनुकूल संकेत हैं कि हाल के निकाय चुनाव में पार्टी को आशातीत सफलता प्राप्त हुई है। हालांकि अतीत के कई चुनावों में जीती हुई बाजी हारने के लिए जानी-जाने वाली कांग्रेस के लिए केरल में भी समस्याएं कम नहीं हैं। पार्टी में नेतृत्व को लेकर खींचतान की स्थिति है। स्थानीय इकाई में गुटबाजी के अलावा प्रदेश नेतृत्व को ताकतवर महासचिव केसी वेणुगोपाल को लेकर भी आशंकाएं कम नहीं हैं कि सत्ता मिलने पर वह मुख्यमंत्री बनने के लिए अपना दावा पेश कर सकते हैं। एक समय राज्य में पार्टी नेतृत्व को लेकर स्पष्टता का रुख रहा है, लेकिन एके एंटनी के केंद्र की राजनीति में जाने के बाद से प्रदेश में नेतृत्व को लेकर स्वीकार्यता की स्थिति बनाने में संघर्ष ही करती रही है। इसे यदि समय से नहीं सुलझाया गया तो केरल की सत्ता का सिंहासन उससे दूर ही रह जाएगा। वामदलों के लिए भी अगला साल अस्तित्व के सवाल से जुड़ा है। लंबे समय से बंगाल और त्रिपुरा की सत्ता पर काबिज रहे वामदल अब इन दोनों राज्यों में राजनीतिक वनवास भोग रहे हैं। अगर केरल की सत्ता से भी उनकी विदाई होती है तो उनके पास कुछ नहीं रह जाएगा। एक ऐसे समय में जब यह विचारधारा भारत में अपने आगमन के सौ वर्षों का सफर पूरा कर चुकी है तो सत्ताशून्यता की ऐसी संभावित स्थिति उसकी वैचारिक प्रासंगिकता पर प्रश्न ही उठाएगी। कुछ अन्य क्षेत्रीय क्षत्रपों के लिए भी अगला साल बहुत कुछ निर्धारित करेगा।

सूचना
समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

सरगुजा की सियासत में दानिश रफीक का उदय, कांग्रेस की गुटबाजी फिर बेनकाब

भूपेश का दौरा सफल पर कोरिया-एमसीबी में पूर्व विधायकों की दूरी ने खड़े किए सवाल

- नेतृत्व दानिश के हाथ,संगठन सवालों के घेरे में...
- कांग्रेस के भीतर खींचतानःमंच पर भूपेश,परदे के पीछे असहजता...
- सरगुजा से कोरिया तक संदेश साफ-मैदान में वही टिकेगा जो सक्रिय है...
- सरगुजा से कोरिया तकः दानिश रफीक के हाथ में कमान,भूपेश बघेल का दौरा रहा सियासी तौर पर सफल...

-अनिल सिन्हा-

अंबिकापुर/कोरिया 31 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस महासचिव भूपेश बघेल का सरगुजा संभाग दौरा संगठनात्मक दृष्टि से सफल रहा और इस सफलता की धुरी बने अंबिकापुर के कांग्रेस नेता दानिश रफीक। स्वागत से लेकर समन्वय तक, मंच से लेकर मुलाकातों तक पूरे दौरे में नेतृत्व और तैयारी दोनों स्तरों पर दानिश की भूमिका निर्णायक दिखी,दौरे के दौरान कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद, पारिवारिक भेंट, और जमीनी फीडबैक,हर पड़ाव पर कार्यक्रम सुचारु रहा। लेकिन इसी के साथ कांग्रेस की आंतरिक गुटबाजी भी खुलकर सामने आई, खासकर कोरिया और एमसीबी जिलों में तीनों पूर्व विधायकों की अनुपस्थिति ने सियासी हलकों में सवाल खड़े कर दिए। बता दे की सरगुजा संभाग में भूपेश बघेल का हालिया दौरा कांग्रेस के लिए दोहरी तस्वीर लेकर आया, एक ओर, कार्यकर्ताओं में ऊर्जा,संवाद और संगठनात्मक अनुशासन दिखा,तो दूसरी ओर, पार्टी की आंतरिक गुटबाजी भी उतनी ही स्पष्ट होकर सामने आई,इस पूरे राजनीतिक घटनाक्रम में सबसे उभरकर सामने आया नाम है दानिश रफीक,दौरे की कमान दानिश के हाथ में थी,और यह सिर्फ औपचारिक मौजूदगी नहीं,बल्कि रणनीतिक तैयारी थी,कार्यक्रमों का समन्वय, कार्यकर्ताओं से संवाद,स्थानीय नेतृत्व को साथ लेना,इन सबमें दानिश की पकड़ साफ़ दिखी, यही वजह है कि सरगुजा से लेकर कोरिया तक दौरा सफल रहा और इसका श्रेय स्वाभाविक रूप से उन्हीं के खाते में गया, लेकिन सफलता के इस चित्र के बीच एक कड़वा सच भी उभरा कोरिया और एमसीबी जिलों में तीनों पूर्व विधायकों की अनुपस्थिति,सवाल लाजमी हैः क्या यह आगामी चुनाव में टिकट को लेकर भय था? या फिर पार्टी के भीतर शक्ति-संतुलन का दबाव? समर्थकों की नगण्य मौजूदगी ने इन सवालों को और धार दी,यह अनुपस्थिति सिर्फ व्यक्तिगत निर्णय नहीं, बल्कि संगठन के भीतर भरोसे की कमी का संकेत भी है,दानिश रफीक की राजनीतिक यात्रा उन्हें साधारण आयोजक से आगे ले जाती है, जोगी कांग्रेस से कांग्रेस में वापसी के बाद उनकी सक्रियता और स्वीकार्यता ने उन्हें सरगुजा की राजनीति में एक कार्यकारी चेहरा बना दिया है,भूपेश बघेल के साथ उनकी निकटता बताती है कि संगठन उन्हें भरोसेमंद मान रहा है, वहीं टी.एस. सिंहदेव से उनकी दूरी भी सियासी चर्चाओं का हिस्सा है, जो यह दर्शाती है कि सरगुजा की राजनीति अब पुराने ध्रुवों में सीमित नहीं रही,यह दौरा कांग्रेस के लिए चेतावनी और अवसर,दोनों है,चेतावनी इसलिए कि गुटबाजी को अनदेखा किया गया तो संगठन कमजोर होगा, और अवसर इसलिए कि जमीनी स्तर पर सक्रिय, भरोसेमंद और मेहनती नेतृत्व, जैसा कि दानिश रफीक पार्टी को नई दिशा दे सकता है।

तीन पूर्व विधायक दूर क्यों?

कोरिया-एमसीबी में पूर्व विधायकों की गैरमौजूदगी पर चर्चाएँ तेज रहीं क्या आगामी चुनाव में टिकट कटने का भय वजह बना? या फिर पार्टी के भीतर दो प्रभावशाली नेताओं का दबाव? समर्थकों की कम उपस्थिति ने इन अटकलों को और हवा दी। जवाब चाहे जो हो, संदेश साफ़ था, संगठन के भीतर खींचतान अब पर्दे में नहीं रही।

जोगी से कांग्रेस तकः दानिश की लंबी राजनीतिक यात्रा

दानिश रफीक की पहचान सिर्फ आयोजक भर की नहीं है,वे वर्षों तक अजीत जोगी के करीबी रहे,जोगी कांग्रेस के गठन से लेकर सक्रिय राजनीति तक। 2018 में कांग्रेस की वापसी और अजीत जोगी के निधन के बाद दानिश की कांग्रेस में घर-वापसी हुई, बीते कुछ वर्षों में सरगुजा संभाग में उनकी सक्रियता और स्वीकार्यता लगातार बढ़ी है यही कारण है कि आज वे सरगुजा कांग्रेस के उभरते चेहरे के रूप में देखे जा रहे हैं।

क्या जोगी कांग्रेस से घर वापसी करने वाले दानिश अब सरगुजा की राजनीति में एक अलग पहचान बना रहे हैं...

सरगुजा का दानिश रफीक वह नाम है जो कभी पूर्व और प्रथम मुख्यमंत्री स्व अजीत जोगी के खास थे,नया प्रदेश गठित होने के बाद स्व अजीत जोगी पहले मुख्यमंत्री बने थे और सरकार प्रदेश में कांग्रेस की स्थापित हुई थी,लगातार दानिश रफीक की आस्था और उनका समर्पण स्व अजीत जोगी के प्रति ही कई दशकों तक नजर आया वहीं जब कांग्रेस से अलग जाकर स्व अजीत जोगी ने नई पार्टी जोगी कांग्रेस की स्थापना की तब भी दानिश रफीक स्व अजीत जोगी और उनकी पार्टी में ही शामिल नजर आए, वैसे इस दौरान लगातार प्रदेश में भाजपा की सरकार बनती रही वहीं जब वर्ष 2018 में प्रदेश में कांग्रेस ने वापसी की और इसी दौरान जब पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी का देहांत हुआ तब दानिश रफीक ने जोगी कांग्रेस का साथ छोड़ दिया और पुनः कांग्रेस में वापस लौट आए, हाल के कुछ वर्षों की बात की जाए तो दानिश रफीक लगातार सरगुजा सहित प्रदेश कांग्रेस में अपनी बेहतर उपस्थिति दर्ज कर रहे हैं, वैसे उनकी लगातार सक्रियता यह सवाल खड़े करती है कि क्या वह सरगुजा कांग्रेस के लिए वह चेहरा बनने जा रहे हैं जो आगे और आगे जाने वाला है क्या। वैसे पूर्व मुख्यमंत्री के साथ उनकी करीबी भी टी एस सिंहदेव से उनकी दूरी की एक वजह हो सकती है।

भूपेश के क़रीब, 'बाबा' से दूरी?

दौरे के हर बड़े पड़ाव पर दानिश, भूपेश बघेल के साथ क़रीब नजर आए तैयारी,अनुशासन और समन्वय में उनकी छाप स्पष्ट थी। वहीं दूसरी ओर,टी.एस. सिंहदेव से उनकी दूरी भी चर्चा का विषय बनी, क्या भूपेश से बढ़ती नजदीकी ही इस दूरी की वजह है? या यह सरगुजा की बदलती सियासी गणित का संकेत?

सरगुजा में भूपेश बघेल के आगमन से लेकर सूरजपुर,कोरिया आगमन तक साथ दिखे दानिश

सरगुजा पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री के सभी कार्यक्रमों में दानिश की मौजूदगी नजर आई,यह मौजूदगी के केवल उपस्थिति मात्र नहीं थी यह उनकी की तैयारी थी यह भी साफ नजर आया,कोरिया जिले तक दानिश ने पूर्व मुख्यमंत्री का कार्यक्रम सफल बनाया,सभी जगह कार्यकर्ताओं सहित पदाधिकारियों से उन्होंने कार्यक्रम सफल बनाने अपील की,इस दौरान कई पारिवारिक मुलाकातों के दौरान भी दानिश की तैयारी नजर आई जहां पूर्व मुख्यमंत्री पहुंचे और मुलाकात की।

भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश महामंत्री फुलेश्वरी सिंह का अम्बिकापुर आगमन पर स्वागत

मां महामाया के दर्शन से हुई शुरुआत,कार्यकर्ताओं ने गाजे-बाजे व पुष्पवर्षा के साथ किया भव्य अभिनंदन

-संवाददाता-

अम्बिकापुर, 31 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)। भारतीय जनता पार्टी सरगुजा महिला मोर्चा के कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने महिला मोर्चा की नव नियुक्त प्रदेश महामंत्री फुलेश्वरी सिंह के गृह जिला अम्बिकापुर आगमन पर स्वागत किया गया। प्रदेश महामंत्री पद का दायित्व ग्रहण करने के पश्चात अम्बिकापुर पहुंचीं फुलेश्वरी सिंह के साथ बड़ी संख्या में महिला मोर्चा एवं भाजपा कार्यकर्ताओं ने सर्वप्रथम माँ महामाया मंदिर में दर्शन-पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके पश्चात स्वागत क्रम में महामाया चौक, संगम चौक, घड़ी चौक सहित विभिन्न स्थानों पर कार्यकर्ताओं ने पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया। अंत में संकल्प भवन में आयोजित स्वागत सभा में उनका भव्य सम्मान किया गया। संकल्प भवन में आयोजित स्वागत सभा को संबोधित करते हुए महिला मोर्चा प्रदेश महामंत्री फुलेश्वरी सिंह ने कहा कि यह सम्मान केवल उनका नहीं, बल्कि सरगुजा की प्रत्येक समर्पित कार्यकर्ता का सम्मान है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने महिलाओं को संगठन और समाज में नेतृत्व का अवसर देकर उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने का कार्य किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महिला मोर्चा आने वाले समय में केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम पंक्ति की महिला तक पहुंचाने के लिए पूरी शक्ति से कार्य करेगा। उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से संगठनात्मक एकजुटता,अनुशासन और समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि सरगुजा की महिलाएं पार्टी की रीढ़ हैं और आगामी चुनावों में महिला शक्ति निर्णायक भूमिका निभाएगी।

इस अवसर पर जिला महामंत्री विनोद हर्ष ने कहा कि फुलेश्वरी सिंह का प्रदेश महामंत्री बनना पूरे सरगुजा के लिए गौरव का विषय है और उनके नेतृत्व में महिला मोर्चा नई ऊँचाइयों को छुएगा। स्वागत सभा को संबोधित करते हुए महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष शुभांगी बिहाड़े ने कहा कि प्रदेश महामंत्री के रूप में फुलेश्वरी सिंह का अनुभव और मार्गदर्शन संगठन को मजबूती प्रदान करेगा। इस अवसर पर किरण मिश्रा ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में पार्टी द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। तथा अपने संबोधन में सावित्री जायसवाल ने कहा कि महिला मोर्चा सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी को और अधिक सशक्त बनाएगा।

कार्यक्रम का मंच संचालन रश्मि जायसवाल ने किया तथा आभार सरोज मिंज ने व्यक्त किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह, जिला संवाद प्रमुख रुपेश दुबे, शकुंतला पांडेय, किरण सोनी, रजनी बिंद, नीलम रजवाड़े, सोनू तिग्गा, आशा शुक्ला, नीरू मिस्त्री, नलिनी पांडेय, शालिनी सिंह, सीमा सिंह, नीलू गुप्ता, ममता तिवारी, मीरा बैरागी, उर्मिला यादव, रूपा गुप्ता, सीमा गुप्ता, देवेंद्र राजवाड़े, लालमणि , शांति गुप्ता, तिल मतिया सहित बड़ी संख्या में महिला मोर्चा की कार्यकर्ता एवं भाजपा के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नए साल 2026 का उत्सव,सुरक्षा व्यवस्था आस्था और मस्ती का अद्भुत संगम...

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,31 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)। साल 2025 को विदा करने और नए साल 2026 का स्वागत करने के लिए अंबिकापुर में शानदार जश्न का माहौल है। शहर में जहां एक ओर पुलिस द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं, वहीं दूसरी ओर पिकनिक स्पॉट्स और प्रमुख स्थानों पर बड़ी संख्या में लोग नए साल की खुशी में डूबे हुए हैं। मैनपाट, जो अपने प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध है, भी इस वक्त पर्यटकों से गुलजार हो गया है, और दूर-दराज से सैलानी यहां नए साल का स्वागत करने पहुंचे हैं। नए साल के जश्न को सुरक्षित और शांतिपूर्ण बनाने के लिए अंबिकापुर पुलिस ने 31 दिसंबर से ही सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। शहर के प्रमुख 17 स्थानों को चिन्हित कर वहां पुलिस बल तैनात किया गया है ताकि किसी प्रकार का कोई व्यवधान उत्पन्न न हो। विशेषकर मैनपाट जैसे पिकनिक स्पॉट्स पर भी पुलिस द्वारा सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया है। इस दौरान सुरक्षा के लिहाज से सिटी पुलिस और ट्रैफिक पुलिस की टीमें सक्रिय रूप से काम कर रही हैं। 31 दिसंबर की रात से ही नए साल की बधाइयों का सिलसिला शुरू हो गया था। लोग अपने दोस्तों, परिजनों और रिश्तेदारों को वाट्सएप, फेसबुक, मैसेज आदि के माध्यम से शुभकामनाएं देने लगे थे। जैसे-जैसे रात 12 बजते गए, शहरभर में जोरदार आतिशबाजी की गूंज सुनाई दी,और लोग नए साल 2026 का स्वागत करने के लिए उमंग और खुशी से भर उठे थे। यह उत्साह पूरे शहर में देखने को मिला, खासकर युवाओं के बीच। नए साल का पहला दिन आमतौर पर धार्मिक आस्था और आध्यात्मिक शांति के साथ शुरू होता है। 1 जनवरी 2026 को अंबिकापुर के प्रमुख मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिलेगी। महामाया मंदिर,देवी मंदिर,साई मंदिर जैसे धार्मिक स्थलों पर लोग सुबह से ही दर्शन के लिए पहुंचेंगे। वहीं, मुस्लिम समाज के लोग मस्जिदों में जाकर विशेष प्रार्थना करेंगे और ईसाई समाज के लोग गिरजाघरों में नए साल के लिए प्रार्थना करेंगे। धार्मिक आस्था के साथ नए साल की शुरुआत करने के बाद लोग पिकनिक स्पॉट्स और पार्टियों का रुख करेंगे, जहां परिवार और दोस्तों के साथ अच्छे समय का आनंद लिया जाएगा। मैनपाट, जो सरगुजा संभाग का एक प्रमुख पिकनिक स्पॉट है, यहां नए साल का उत्सव 25 दिसंबर से ही शुरू हो गया था। मैनपाट के विभिन्न स्थानों जैसे टाइगर प्वाइंट, उल्टा पानी, जलजली, मेहता प्वाइंट, परपटिया सनसेट, बूढ़ानाग आदि पर पर्यटकों की भीड़ लगी हुई है। इस इलाके में प्राकृतिक सौंदर्य के साथ-साथ नये साल का उत्सव मनाने का आनंद लिया जा रहा है। इसके अलावा, अमृतधारा, रकसगंडा, घुनघुट्टा जैसे अन्य पिकनिक स्पॉट्स पर भी लोग नए साल का स्वागत करने के लिए पहुंच रहे हैं। मैनपाट की खूबसूरत वादियों में प्रकृति के संग जश्न मनाना एक अद्भुत अनुभव है, और यही वजह है कि लोग दूर-दूर से यहां की तरफ आकर्षित हो रहे हैं।

नए साल की पार्टी और पिकनिक का दौर

नए साल का पहला दिन पार्टी और पिकनिक के दौर में ढलने वाला है। परिवार और दोस्त मिलकर मस्ती करेंगे,पिकनिक स्पॉट्स पर घूमेंगे,और नए साल के पहले दिन को अपनी यादों में संजोकर रखेंगे। यह खास दिन हर किसी के लिए एक नई शुरुआत का प्रतीक है, और यह उत्साह अगले कुछ दिनों तक बना रहेगा। अंबिकापुर और आसपास के इलाकों में नए साल का उत्सव सच्चे मायने में उत्साह,आस्था और सुरक्षा के सामंजस्य का बेहतरीन उदाहरण है। शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक लोग इस नए साल को खास तरीके से मना रहे हैं,और उम्मीद जताई जा रही है कि यह साल सबके लिए खुशियां और समृद्धि लेकर आए।

शहर और गांव में उत्साह

शहर के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों में भी नए साल का जश्न काफी जोश और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। युवाओं और बच्चों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। पिकनिक स्पॉट्स पर एक ओर जहां लोग साल 2025 को अलविदा देने के साथ नए साल के स्वागत के लिए मस्ती में डूबे हुए थे, वहीं दूसरी ओर, घरों में भी परिवार के साथ खुशी-खुशी नए साल का स्वागत किया जा रहा था। यह उत्सव का माहौल हर ओर फैला हुआ था, और सभी जगहों पर एक सकारात्मक और उत्साही वातावरण देखा गया।

2025 की अंतिम शाम

2026 की पहली सुबह

2025 की अंतिम शाम और 2026 की पहली सुबह

एक वर्ष का हिसाब,नए सवेरे का संकल्प

रायपुर 31 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।
समय कभी रुकता नहीं,वह बस चुपचाप एक शाम को समेटता है और अगली सुबह के साथ नई उम्मीदें खोल देता है,2025 की अंतिम शाम भी कुछ ऐसी ही है, डूबते सूरज के साथ बीते साल की थकान,अधूरे वादे, अधूरी योजनाएँ और कुछ हासिल की गई उपलब्धियाँ मन में उतर आती हैं, और फिर, उसी क्षितिज पर 2026 की पहली सुबह उगती है नई रोशनी, नई दिशा और नए संकल्पों के साथ।

2025 हमारे लिए मिला-जुला साल रहा, कहीं उम्मीदों ने आकार लिया,तो कहीं अपेक्षाएँ ठिठक कर रह गईं, विकास की बातें हुईं, योजनाएँ बनीं, पर कई मोर्चों पर रफ्तार सुस्त रही, कुछ अधूरे निर्माण आज भी सवाल पूछते हैं कब पूरे होंगे? कुछ नीतियाँ कागज़ों से आगे बढ़ीं,तो कुछ ज़मीन पर उतरते-उतरते थक गईं। यह शाम हमें आईना दिखाती है, ताकि हम भूलें नहीं,बल्कि सीखें। लेकिन सुबह का स्वभाव अलग होता है, वह शिकायत नहीं करती,अवसर देती है, 2026 की पहली सुबह हमें याद दिलाती है कि हर नया साल सिर्फ तारीख़ नहीं बदलता, वह सोच बदलने का मौका देता है,यह वह क्षण है जब हम तय कर सकते हैं कि पिछली गलतियों को दोहराना है या उनसे आगे निकलना है, क्या विकास केवल घोषणाओं में रहेगा, या समय-सीमा के साथ ज़मीन पर दिखेगा? क्या शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पानी और रोज़गार सिर्फ मांग बनकर रहेंगे, या समाधान बनेंगे? यह सुबह नागरिकों और प्रशासन–दोनों से सवाल भी पूछती है और जिम्मेदारी भी देती है, नागरिकों से कि क्या हम भागीदारी निभाएँगे, जवाबदेही माँगेंगे, और सकारात्मक दबाव बनाएँगे? प्रशासन से,कि क्या वह पारदर्शिता,गति और गुणवत्ता को प्राथमिकता देगा? जब ये दोनों साथ चलते हैं, तब सुबह सचमुच उजली होती है। नई सुबह का अर्थ केवल उम्मीद नहीं,अनुशासन भी है समय पर काम,सही योजना,और परिणाम पर नज़र। यह वह समय है जब अधूरे काम पूरे हों,ठंडे बस्ते की फाइलें गरम हों,और निर्णयों में साहस दिखे। यह वह घड़ी है जब विकास का मतलब केवल इमारतें नहीं,बल्कि बेहतर जीवन हो, 2025 की अंतिम शाम हमें ठहरकर सोचने का अवसर देती है; 2026 की पहली सुबह आगे बढ़ने का हौसला। अगर हम इस सुबह को संकल्प में बदल सकें–तो आने वाला साल सिर्फ नया नहीं, बेहतर होगा। क्योंकि अंततः, हर शाम का अर्थ सुबह से है–और हर सुबह की कीमत हमारे कर्म से।

अवैध शराब की बड़ी खेप जब्त...

40 लाख की ब्रांडेड अंग्रेजी शराब बरामद

-संवाददाता- अम्बिकापुर,31 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।
शहर के समीप स्थित ग्राम क्रांतिप्रकाशपुर में एक ट्रांसपोर्टर के गोदाम से 40 लाख रुपये की 300 पेटी ब्रांडेड अंग्रेजी शराब जब्त की गई है। यह शराब हरियाणा से मंगवाई गई थी और इसे न्यू ईयर के अवसर पर बेचा जाना था। यह कार्रवाई संभागीय आबकारी उडऩ्दस्ता की टीम ने की,जो निरीक्षक रंजीत गुप्ता के नेतृत्व में काम कर रही थी। टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि क्रांतिप्रकाशपुर स्थित एक गोदाम में भारी मात्रा में अवैध शराब छिपाकर रखी गई है। सूचना के आधार पर टीम ने गोदाम पर छापा मारा और वहां से 300 पेटी शराब बरामद की। यह शराब विभिन्न ब्रांड्स की थी और इसकी अनुमानित कीमत 40 लाख रुपये बताई जा रही है। आबकारी विभाग के अधिकारियों ने बताया कि यह शराब हरियाणा से मंगवाई गई थी और इसका उद्देश्य नए साल के मौके पर इसे

अवैध रूप से बेचना था। आरोप है कि ट्रांसपोर्टर सौरभ सिंह ने इस शराब को अपने गोदाम में छिपाकर रखा था, लेकिन आबकारी विभाग की सक्रियता के कारण वह अपने मंसूबों को अंजाम नहीं दे सका। यह पहली बार नहीं है जब सौरभ सिंह पर कार्रवाई की गई हो। पिछले साल भी आबकारी विभाग ने इसी ट्रांसपोर्टर के खिलाफ कार्रवाई की थी। उस दौरान भी 30 लाख रुपये की अवैध शराब बरामद की गई थी, जिसे सौरभ सिंह ने पंजाब से मंगवाया था। आबकारी विभाग ने उसकी गतिविधियों पर पिछले कुछ समय से कड़ी नजर रखी थी और इस बार भी उसे पकड़ लिया गया।

आबकारी विभाग की सख्त कार्रवाई

आबकारी विभाग और पुलिस द्वारा अवैध शराब के कारोबारियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। शराब के शौकीन पुराने वर्ष की विदाई और नए साल का स्वागत करने के लिए बड़े पैमाने पर शराब का सेवन करते हैं, और यही अवसर तस्करों के लिए अवैध शराब की आपूर्ति का कारण बनता है। आबकारी विभाग के अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि इस तरह के अवैध कारोबार को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। टीम की सक्रियता और कड़ी कार्रवाई से शराब तस्करों में हडक़ंप मच गया है। आबकारी विभाग ने इस मामले में ट्रांसपोर्टर सौरभ सिंह के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है और उसे गिरफतार कर जेल भेज दिया गया है।

सरगवां में रेबीज के खतरे को लेकर ग्रामीणों की जांच,स्थिति सामान्य

-संवाददाता- अम्बिकापुर,31 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।
ग्राम सरगवां में बुधवार को स्वास्थ्य शिविर लगाया गया और चार दिन पूर्व कुत्ते काटे हुए बकरे के मांस सेवन करने वाले लोगों की स्वास्थ्य जांच चिकित्सकों द्वारा की गई। अंबिकापुर से सटे गांव सरगंवा में 28 दिसंबर को आयोजित पारंपरिक निकाली पूजा 12 से 15 बकरों की बली दी गई थी और जिसमें एक बकरा ऐसा था जिसे चार माह पूर्व कुत्ते ने काट लिया था। लगभग 400 से अधिक लोगों ने बकरों की मांस का सेवन किया था। जब इसकी जानकारी ग्रामीणों को हुई तो हडक़ंप मच गया। गांव के सरपंच नारायण प्रसाद और उपसरपंच कृष्णा सिंह ने सीएमएचओ से मिलकर स्वास्थ्य जांच किए जाने का आग्रह किया था। इसके बाद बुधवार को डॉ शैलेंद्र गुप्ता के नेतृत्व में गांव के स्कूल प्रांगण में स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। डॉक्टर शैलेंद्र गुप्ता ने ग्रामीणों की जांच की और उन्हें परामर्श दिया। उन्होंने कहा कि रेबीज एक 100 प्रतिशत घातक बीमारी है, लेकिन इस मामले में कोई खतरा नहीं है। कुत्ते के काटने को चार महीने बीत चुके थे और बकरे में रेबीज के कोई लक्षण नहीं दिखे। रेबीज के लक्षण आमतौर पर जानवरों में 1 से 3 महीने में प्रकट हो जाते हैं। बकरा पूरी तरह स्वस्थ और सामान्य था, इसलिए

उसे संक्रमित नहीं माना जा सकता। ग्रामीणों में रेबीज को लेकर कई भ्रांतियां थीं, लेकिन डॉ शैलेंद्र गुप्ता और स्वास्थ्य विभाग की टीम की बातों से लोग काफी हद तक आश्वस्त हुए और दहशत कम हुई। विभाग ने मांस का सेवन करने वाले सभी लोगों की जांच सुनिश्चित की।

कलेक्टर ने राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में चयनित खिलाड़ियों को दी बधाई

बच्चों को अपने घरों में मातृभाषा में बात करने किया प्रोत्साहित

-संवाददाता- अम्बिकापुर, 31 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।
कलेक्टर अजीत वसंत ने बुधवार को लुण्ड्रा विकासखण्ड स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय तथा अंबिकापुर विकासखण्ड में संचालित प्रयास आवासीय विद्यालय एवं पहाड़ी कोरवा आवासीय विद्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय परिसर, शैक्षणिक गतिविधियों एवं विद्यार्थियों को दी जा रही सुविधाओं का गहन अवलोकन किया। कलेक्टर श्री वसंत ने विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी पढ़ाई की वर्तमान स्थिति, विषयगत समझ एवं भविष्य के लक्ष्यों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने बच्चों को लक्ष्य निर्धारित कर अनुशासित ढंग से अध्ययन करने तथा निरंतर मेहनत के माध्यम से सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने मातृभाषा के महत्व को बताते हुए अपने घरों में मातृभाषा में बात करने प्रोत्साहित किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने बिजली, पेयजल, साफ-सफाई, छात्रावास व्यवस्था एवं भोजन की गुणवत्ता की समीक्षा की। उन्होंने भोजन व्यवस्था को निर्धारित मेनू के अनुसार नियमित रूप से प्रदाय करने तथा सभी मूलभूत सुविधाओं को सुचारु बनाए रखने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

कलेक्टर ने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए गुणवत्ता युक्त शिक्षा के साथ-साथ उन्हें विभिन्न शैक्षणिक एवं प्रेरणादायक गतिविधियों से जोड़ने के लिए शैक्षणिक भ्रमण आयोजित करने के निर्देश सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग डॉ. ललित शुक्ला एवं संबंधित विद्यालयों के प्राचार्यों को दिए।

राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में चयनित खिलाड़ियों को दी बधाई : इस अवसर पर कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने एकलव्य विद्यालय के उन विद्यार्थियों को विशेष रूप से बधाई एवं शुभकामनाएं दीं, जिन्होंने राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में सहभागिता कर जिले का नाम रोशन किया। उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए शतरंज एवं योग जैसी गतिविधियों में और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) में प्रगति लाने ग्राम पंचायत बड़ादमाली में लगा आवास चौपाल

हितग्राही को निर्धारित समय-सीमा में आवास निर्माण पूर्ण करने के लिए किया प्रेरित

-संवाददाता- अम्बिकापुर, 31 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।
कलेक्टर अजीत वसंत के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के प्रभावी क्रियान्वयन एवं आवास निर्माण में तेजी लाने के उद्देश्य से जिले में लगातार आवास चौपाल का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में अम्बिकापुर विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम पंचायत बड़ादमाली में आवास चौपाल का आयोजन कर हितग्राहियों से सीधा संवाद किया गया। आवास चौपाल के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत स्वीकृत आवासों की वर्तमान प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। हितग्राहियों से आवास निर्माण में आ रही समस्याओं, सामग्री उपलब्धता, मजदूरी, तकनीकी सहायता एवं

भुगतान से संबंधित विषयों पर चर्चा करते हुए, मौके पर उपस्थित अधिकारियों द्वारा समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु आवश्यक निर्देश भी दिए गए। इस दौरान अम्बिकापुर जनपद पंचायत सीईओ श्री राजेश सेंगर ने हितग्राहियों को योजना की महत्ता बताते हुए निर्धारित समय-सीमा में आवास निर्माण पूर्ण करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि पक्का आवास केवल एक घर नहीं बल्कि सम्मानजनक और सुरक्षित जीवन की नींव है। साथ ही उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं मैदानी अमले को निर्देशित किया कि जिन आवासों का कार्य प्रारंभ नहीं हुआ है, उन्हें तीन दिवस के भीतर चालू कराते हुए शीघ्रता से पूर्ण कराया जाए। आवास चौपाल में हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के मापदंडों, किस्तों की जानकारी, जियो टैगिंग, निर्माण की गुणवत्ता एवं समय पर कार्य पूर्ण करने से मिलने वाले लाभों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई।

सीईओ श्री सेंगर ने हितग्राहियों को आश्वस्त किया कि प्रशासन की प्राथमिकता है कि प्रत्येक पात्र परिवार को समय पर पक्का आवास उपलब्ध कराया जाएं। जिससे जरुरतमंद परिवारों का पक्के मकान का सपना साकार हो सके। कार्यक्रम के दौरान आवास निर्माण को लेकर हितग्राहियों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। वहीं संबंधित अधिकारी कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

अधिकारी कर्मचारी संगठनों की तीन दिवसीय हड़ताल समाप्त

-संवाददाता- अम्बिकापुर,31 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।
सरकारी अधिकारी और कर्मचारी संघों का तीन दिनों से चल रहा हड़ताल अब खत्म हो गया है। यह हड़ताल अधिकारी कर्मचारी फेडरेशन के बैनर तले महंगाई भत्ता, वेतनमान, और 11 सूत्रीय मांगों को लेकर की जा रही थी। हड़ताल के कारण सरकारी कामकाज में रुकावट आई थी,लेकिन अब कर्मचारी और अधिकारी नए साल के बाद अपने काम पर लौटेंगे और रुकी हुई फाइलों पर तेजी से काम किया जाएगा। अधिकारी कर्मचारी फेडरेशन के पदाधिकारियों ने बताया कि सरकार से हड़ताल के दौरान कोई भी बातचीत नहीं की गई, जिसे उन्होंने दुर्भाग्यपूर्ण बताया। हालांकि, हड़ताल समाप्त करने का फैसला संगठन ने खुद लिया है। हड़ताल के अंतिम दिन, अधिकारी कर्मचारी संगठन के पदाधिकारियों ने कलेक्ट्रेट में एक रैली निकाली और वहां प्रशासन को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें उनकी मांगों का उल्लेख किया गया। सरकार और कर्मचारी संघों के बीच संवाद की कमी को लेकर प्रशासन पर सवाल उठाए गए, और फेडरेशन ने भविष्य में अपनी मांगों को लेकर और सख्त कदम उठाने की चेतावनी दी है।

कूड़ेली में सियासी हलचल,वेदांती तिवारी के निवास पहुंचे भूपेश बघेल

कोरिया : वेदांती तिवारी के घर पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अकस्मात बने कार्यक्रम में कूड़ेली में उमड़ा जनसैलाब

पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष वेदांती तिवारी के घर पहुंचे भूपेश बघेल, बिना पूर्व सूचना हुआ भव्य स्वागत

बिना तय कार्यक्रम कोरिया पहुंचे भूपेश, कूड़ेली में दिखा जनता का भरोसा

-राजन पाण्डेय-

बैकुंठपुर,31 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। सरगुजा संभाग दौरे पर पहुंचे छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस महासचिव भूपेश बघेल का कोरिया जिले में भी आगमन हुआ, यह दौरा पूरी तरह अकस्मात था,लेकिन स्वागत में उमड़ा जनसैलाब इसे यादगार बना गया, पूर्व मुख्यमंत्री कोरिया जिले के कूड़ेली गांव पहुंचे, जो पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष वेदांती तिवारी का गृह ग्राम है।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल वेदांती तिवारी के निवास पहुंचे,जहां उन्होंने क्षेत्र के लोगों से मुलाकात की,उनका अभिवादन स्वीकार किया और तिवारी परिवार के सदस्यों से आत्मीय संवाद किया, इस अवसर पर उन्होंने स्वल्पाहार भी ग्रहण किया। उल्लेखनीय है कि कूड़ेली पहुंचना भूपेश बघेल का पूर्व निर्धारित कार्यक्रम नहीं था,इसके बावजूद उनके स्वागत के लिए ग्रामीणों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं का हुजूम मौजूद रहा। पूर्व मुख्यमंत्री ने इस मुलाकात की तस्वीरें अपने सोशल मीडिया मंचों पर भी साझा कीं और इसे आत्मीय बताते हुए कूड़ेली क्षेत्र के लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। यह पहला अवसर रहा जब किसी कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री ने वेदांती तिवारी के निवास पर पहुंचकर परिजनों एवं क्षेत्रवासियों से प्रत्यक्ष मुलाकात की।

राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बना कूड़ेली दौरा

भूपेश बघेल का यह आकस्मिक दौरा अब जिले के राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है। माना जा रहा है कि यह सिर्फ शिष्टाचार भेंट नहीं,बल्कि सोची-समझी राजनीतिक रणनीति का हिस्सा भी हो सकता है,कांग्रेस शासनकाल में जिला पंचायत उपाध्यक्ष रहते हुए भी वेदांती तिवारी को कई बार उपेक्षा का सामना करना पड़ा था,जिसका उन्होंने सार्वजनिक रूप से विरोध भी किया,लेकिन इसके बावजूद वे कभी पार्टी विरोधी नहीं हुए और न ही गुटबाजी का हिस्सा बने,दो बार कांग्रेस से विधानसभा प्रत्याशी रहे वेदांती तिवारी दोनों ही बार भले ही पराजित हुए हों,लेकिन दोनों चुनावों में उनकी हार निकट अंतर से हुई थी,पार्टी के भीतर अपेक्षित सहयोग न मिल पाने की चर्चा भी उस समय सामने आई थी,इसके बाद भी उन्होंने न तो राजनीति छोड़ी और न ही कांग्रेस का दामन, वर्तमान में भी वे सक्रिय राजनीति में बने हुए हैं और क्षेत्र में उनका जनाधार मजबूत माना जाता है।

अल्प समय में जुटा हुजूम,जनसंपर्क की ताकत दिखी...

बताया जा रहा है कि भूपेश बघेल पहले श्रीनगर पहुंचे थे,जहां से कूड़ेली की दूरी कम होने के कारण वहीं से कूड़ेली जाने का निर्णय लिया गया, वेदांती तिवारी को बहुत कम समय में इस आगमन की सूचना मिली, लेकिन उन्होंने तत्काल क्षेत्र में संपर्क साधा,जिन्हें भी सूचना मिली, वे सहज भाव से कूड़ेली पहुंचे और देखते ही देखते कार्यक्रम भव्य रूप ले गया, यह दृश्य वेदांती तिवारी के जनता से जुड़े रहने और मजबूत संपर्क का प्रमाण माना जा रहा है,राजनीतिक जानकारों का कहना है कि विवादों से दूर रही उनकी राजनीति और अचानक मिले इस स्नेह ने उनके भविष्य को लेकर नई अटकलों को जन्म दे दिया है।

एमसीबी में फेडरेशन की हड़ताल के बीच प्रशासनिक कार्रवाई पर बवाल, गुलाब कमरों ने निलंबन को बताया लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला

एमसीबी,31 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन द्वारा प्रदेशव्यापी तीन दिवसीय हड़ताल के बीच एमसीबी जिले में की गई प्रशासनिक कार्रवाई ने राजनीतिक और सामाजिक हलकों में तीखी प्रतिक्रिया पैदा कर दी है। जिला प्रशासन द्वारा हड़ताल के दौरान पुलिस बुलाकर तीन शासकीय कर्मचारियों पर की गई कार्रवाई और तत्काल निलंबन के विरोध में पूर्व विधायक एवं छत्तीसगढ़ ट्रेड यूनियन काउंसिल के प्रांताध्यक्ष गुलाब कमरों खुलकर सामने आ गए हैं, जिला प्रशासन ने शिक्षक गोपाल सिंह,सफाई कर्मचारी सुरेन्द्र प्रसाद एवं राजस्व निरीक्षक संजय पाण्डेय को शासकीय कार्य में बाधा का हवाला देते हुए बिना पूर्व नोटिस और बिना सुनवाई तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। फेडरेशन और कर्मचारी संगठनों का कहना है कि हड़ताल पूरी तरह गांधीवादी और शांतिपूर्ण थी, इसके बावजूद यह कार्रवाई की गई, जो निंदनीय है,कुल मिलाकर,एमसीबी में हुई यह प्रशासनिक कार्रवाई अब केवल कर्मचारियों का मुद्दा नहीं रही,बल्कि राजनीतिक टकराव का रूप ले चुकी है। आने वाले दिनों में यह देखना अहम होगा कि प्रशासन संवाद का रास्ता चुनता है या टकराव और गहराता है।

यह निलंबन नहीं,सत्ता का दुरुपयोग हैः गुलाब कमरों

निलंबन की कार्रवाई पर कड़ा विरोध जताते हुए गुलाब कमरों ने कहा...यह कार्रवाई अलोकतांत्रिक है,यह निलंबन नहीं बल्कि सत्ता का दुरुपयोग है। जिला प्रशासन खुद को सरकार से ऊपर समझ रहा है। कर्मचारियों की आवाज़ को इस तरह दबाया नहीं जा सकता,उन्होंने रायपुर स्थित इंद्रावती भवन का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां हड़ताल के दौरान पूरा कामकाज ठप रहा, यहां तक कि जनप्रतिनिधियों को भी प्रवेश नहीं दिया गया, लेकिन कहीं भी इस प्रकार की दमनात्मक कार्रवाई नहीं की गई। इसके विपरीत एमसीबी जिले में कर्मचारियों पर दबाव बनाकर काम कराया जा रहा है, जो प्रशासन की तानाशाही मानसिकता को दर्शाता है।

धरना स्थल पहुंचे कांग्रेस नेता,हड़ताल को मिला समर्थन

पूर्व विधायक गुलाब कमरों स्वयं कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन के धरना स्थल पर पहुंचे और आंदोलनरत कर्मचारियों के साथ एकजुटता दिखाई। उनके साथ कांग्रेस के कई पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे। धरना स्थल पर एडवोकेट राम नरेश पटेल,पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष राजकुमार केसरवानी,युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष हाफिज मेमन, सौरव मिश्रा, आदिवासी कांग्रेस अध्यक्ष अमोल सिंह,पार्षदगण अजय जायसवाल, स्वप्निल सिंहा,मुकेश अग्रवाल,इमरान खान,आनंद राय,सुनील राय,अज्जू रवि,अमर सिंह,विकास श्रीवास्तव, संदीप द्विवेदी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन और कर्मचारी नेता उपस्थित रहे।

निलंबन वापस लेने की मांग,आंदोलन तेज होने के संकेत

धरना स्थल पर वक्ताओं ने एक स्वर में तीनों कर्मचारियों के निलंबन आदेश को तत्काल वापस लेने और कर्मचारियों की मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेने की मांग की। नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने दमनात्मक रवैया नहीं छोड़ा तो यह आंदोलन और अधिक व्यापक तथा उग्र रूप ले सकता है।

प्रशासन की कठोरता या कर्मचारियों का उग्र आक्रोश?

एमसीबी कलेक्टर के निलंबन आदेश के बाद 'कलेक्टर मुर्दाबाद' के नारे...

-संवाददाता-
कोरिया/बैकुंठपुर, 31 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ में कर्मचारियों की तीन दिवसीय हड़ताल के बीच प्रशासन और कर्मचारियों के संबंधों में तनाव खुलकर सामने आ गया है, एमसीबी जिले में आंदोलन के दौरान तीन कर्मचारियों को निलंबित किए जाने के बाद स्थिति और बिगड़ गई। इस निलंबन के विरोध में कोरिया जिले के बैकुंठपुर मुख्य चौक पर कर्मचारियों ने एमसीबी कलेक्टर मुर्दाबाद के नारे लगाए, जिससे प्रशासनिक गलियारों में हलचल मच गई, एमसीबी कलेक्टर द्वारा निलंबन की कार्रवाई उन कर्मचारियों पर की गई, जिन पर आरोप है कि वे कार्य पर उपस्थित लिपिकों को आंदोलन में शामिल होने के लिए प्रेरित कर रहे थे, प्रशासन ने इसे शासकीय कार्य में बाधा मानते हुए त्वरित कार्रवाई की। हालांकि, इस फैसले के बाद एमसीबी से अधिक तीखी प्रतिक्रिया कोरिया जिले में देखने को मिली। यह पूरा घटनाक्रम बताता है कि छत्तीसगढ़ में कर्मचारी आंदोलन अब केवल मांगों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि प्रशासन-कर्मचारी संबंधों की परीक्षा बन गया है, एक ओर प्रशासन अनुशासन और कामकाज की बात कर रहा है, दूसरी ओर कर्मचारी अपने संवैधानिक अधिकारों का हवाला दे रहे हैं, यदि संवाद का रास्ता नहीं खोला गया, तो ऐसे टकराव आगे और तीखे हो सकते हैं, और इसकी कीमत शासन व्यवस्था को चुकानी पड़ सकती है।

घटती-घटना
कोरिया- सूरजपुर समाचार
छत्तीसगढ़ बना आंदोलनगढ़
सड़कों पर कर्मचारी, फाइलों में सरकार

मुर्दाबाद के नारेः विरोध का नया चेहरा या अनुशासनहीनता?

यह प्रश्न अब सार्वजनिक बहस का विषय बन गया है कि किसी जिले के जिलाधीश–जो जिला दंडाधिकारी भी होता है–के विरुद्ध मुर्दाबाद के नारे लगना क्या सामान्य कर्मचारी व्यवहार कहा जा सकता है? एक पक्ष इसे प्रशासनिक कठोरता और संवेदनहीनता का परिणाम मान रहा है, तो दूसरा पक्ष इसे कर्मचारियों के भीतर घटती विनम्रता और धैर्य से जोड़कर देख रहा है। सच यह है कि अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच संवाद की खाई लगातार गहरी होती दिख रही है।

आंदोलन का तरीका बदला, आक्रोश बढ़ा-

पूर्व के आंदोलनों में कर्मचारी अक्सर शासकीय आदेशों की प्रतियां जलाकर या शांतिपूर्ण धरने के माध्यम से विरोध दर्ज कराते थे। लेकिन एमसीबी की कार्रवाई के बाद जिस तरह व्यक्तिगत पद पर बैठे अधिकारी के खिलाफ नारेबाजी हुई, उसने आंदोलन की भाषा और दिशा–दोनों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या आक्रोश की स्थिति में यह मानवीय भूल है, या फिर विरोध की मर्यादा लांघने का संकेत?

'मोदी की गारंटी' पूरी करने की मांग...

कर्मचारी संघ 11 सूत्रीय मांगों को लेकर हड़ताल पर हैं। उनका कहना है कि सरकार अपने ही चुनावी वादों को पूरा नहीं कर पा रही, मुख्य मांगों में शामिल हैं– महंगाई भत्ता,वेतन विसंगति दूर करना,पेंशन संबंधी सुधार,संविदा कर्मचारियों का नियमितीकरण, पिंगुआ समिति की रिपोर्ट सार्वजनिक करना कर्मचारियों का आरोप है कि दो वर्ष बीत जाने के बावजूद सरकार मौन है। इसी कारण आंदोलन तेज़ हो रहा है और आगे अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी भी दी जा रही है।

प्रशासनिक हठधर्मिता या गलत आचरण?

यह आंदोलन पूर्व घोषित था और इसकी सूचना प्रशासन को पहले ही दी जा चुकी थी। ऐसे में निलंबन की कार्रवाई को लेकर सवाल उठ रहे हैं क्या यह प्रशासन की हठधर्मिता थी? या फिर आंदोलन के नाम पर कार्यालयों में जाकर अन्य कर्मचारियों पर दबाव बनाना गलत आचरण था? सूत्रों के अनुसार निलंबित कर्मचारी संघ से जुड़े नेता थे, जो कार्यालयों में जाकर आंदोलन में शामिल होने का आग्रह कर रहे थे। यही टकराव की असली जड़ मानी जा रही है।

नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएंः कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक ने दिया संदेश

-संवाददाता-
सूरजपुर,31 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। नववर्ष 2026 के पावन अवसर पर जिले के कलेक्टर एस. जयवर्धन एवं पुलिस अधीक्षक प्रशांत ठाकुर ने सूरजपुर जिले के समस्त नागरिकों को हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई दी है। कलेक्टर एस. जयवर्धन ने अपने संदेश में कहा कि बीता वर्ष विकास और प्रगति का रहा है, वहीं नववर्ष नई ऊर्जा, नई उम्मीदों और नए संकल्पों के साथ दस्तक दे रहा है, उन्होंने कहा कि नववर्ष नई संभावनाओं और आशाओं का प्रतीक है आइए, हम सभी मिलकर जिले को और अधिक सुरक्षित, शांतिपूर्ण और समृद्ध बनाने का संकल्प लें। उन्होंने नववर्ष के उपलक्ष्य में जिलेवासियों से यातायात नियमों का पालन, सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देने और मद्यपान से बचते हुए सुरक्षित माहौल में नववर्ष मनाने की अपील की, विद्यार्थियों से विशेष आग्रह करते हुए कलेक्टर ने कहा कि वे मन लगाकर अध्ययन करें, बेहतर प्रदर्शन करें और अपने परिवार व जिले का नाम रोशन करें। साथ ही उन्होंने कहा कि जिले का समग्र विकास नागरिकों की सक्रिय सहभागिता से ही संभव है। कलेक्टर ने जिले के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी नववर्ष की

शुभकामनाएं देते हुए अपेक्षा जताई कि वे नई ऊर्जा और जिम्मेदारी के साथ आमजन के कल्याण और जिले के विकास के लिए अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करेंगे तथा शासन की हितग्राही योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुँचाने में तत्पर रहेंगे, पुलिस अधीक्षक प्रशांत ठाकुर ने अपने संदेश में कहा कि जिला पुलिस शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयासरत है, उन्होंने नागरिकों से शांति, सुरक्षा और विकास में सहयोग करने तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का साथ देने की अपील की,कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त रूप से कामना की कि नववर्ष 2026 सूरजपुर जिले के लिए प्रगति, सौहार्द और खुशहाली का वर्ष सिद्ध हो।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

शुद्धि पत्र क्रमांक–1

बिलासपुर संभाग के वरिष्ठ मंडल अभियंता/उत्तर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत RDSO द्वारा अनुमोदित एल्युमिनो थर्मिक वेल्डिंग द्वारा वेल्डिंग पोर्शन का सप्लाई और रेल जॉइंट्स की वेल्डिंग का कार्य।" कार्य के लिए इस कार्यालय द्वारा जारी निविदा सूचना संख्या डीआरएम–इंजी.–बीएसपी–टी–165–25–26, दिनांकः– 05.01.2026 में निम्न संशोधन किया जाता है।

क्र. 1. संदर्भ : निविदा जमा करने की आरंभ तिथि – दिया गया था : 17.12.2025। अब पढ़ा जाये : 22.12.2025। क्र. 2. संदर्भ : निविदा जमा करने की अंतिम तिथि – दिया गया था : 31.12.2025। अब पढ़ा जाये : 05.01.2026। अन्य सभी शर्तें पूर्ववत् रहेंगी।

उपरोक्त निविदा सूचना में शुद्धि को एसईसीआर की वेबसाईट पर देखा जा सकता है। एस.ई.सी.आर. वेबसाईट का पता – www.secr.indianrailways.gov.in.

वरिष्ठ मंडल अभियंता/उत्तर
सीपीआर/10/579 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

RO No. 82227

कार्यालय कार्यपालन अभियन्ता,

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड- बलरामपुर (छ.ग.)

E-mail: eebalram-phe- cganic.in

क्र./01 / ले. शा./ ज.जी.मि./ का.अ./लो.स्वा.यां. वि./2025
बलरामपुर,दिनांक 22.12.2025

ऑन लाईन प्रथम निविदा आमंत्रण

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से रामानुजगंज आवर्धन जल प्रदाय योजना हेतु सर्वे एवं डी. पी.आर कार्य निम्नानुसार निविदा आमंत्रित की जाती है।

कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रू.लाख में)
रामानुजगंज आवर्धन जल प्रदाय योजना हेतु सर्वे एवं डी. पी. आर कार्य	1274.00

निविदा एवं कार्य का विस्तृत विवरण यथा धरोहर राशि, बिड वैद्यता की तिथि कार्य की अवधि, निविदाकार की श्रेणी एवं कार्यों तथा स्थल संबंधी जानकारी कार्यालयीन समय पर दिनांक 26.12.2025 से देखी जा सकती है तथा रूचि की अभिव्यक्ति दिनांक 16.01.2026 तक बिड डाली जा सकती है। रूचि की अभिव्यक्ति में आगामी संशोधन पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किए जायेंगे। अतः निविदाकार निविदा प्रक्रिया में सतत् संपर्क में रहें। अन्य विवरण कार्यालयीन समय पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खण्ड बलरामपुर में देखे जा सकते है।

जी नंबर-252605718/1

कार्यपालन अभियन्ता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग
खण्ड - बलरामपुर (छ.ग.)

नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएंकलेक्टर व पुलिस अधीक्षक ने जिलेवासियों को दिया संदेश

सूरजपुर 31 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)। नववर्ष 2026 के पावन अवसर पर जिले के कलेक्टर एस. जयवर्धन एवं पुलिस अधीक्षक प्रशांत ठाकुर ने सूरजपुर जिले के समस्त नागरिकों को हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई दी है। कलेक्टर एस. जयवर्धन ने अपने संदेश में कहा कि बीता वर्ष विकास और प्रगति का रहा है, वहीं नववर्ष नई ऊर्जा, नई उम्मीदों और नए संकल्पों के साथ दस्तक दे रहा है, उन्होंने कहा कि नववर्ष नई संभावनाओं और आशाओं का प्रतीक है आइए, हम सभी मिलकर जिले को और अधिक सुरक्षित, शांतिपूर्ण और समृद्ध बनाने का संकल्प लें।उन्होंने नववर्ष के उपलक्ष्य में जिलेवासियों से यातायात नियमों का पालन, सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देने और मद्यपान से बचते हुए सुरक्षित माहौल में नववर्ष मनाने की अपील की, विद्यार्थियों से विशेष आग्रह करते हुए कलेक्टर ने कहा कि वे मन लगाकर अध्ययन करें, बेहतर प्रदर्शन करें और अपने परिवार व जिले का नाम रोशन करें। साथ ही उन्होंने कहा कि जिले का समग्र विकास नागरिकों की सक्रिय सहभागिता से ही संभव है। कलेक्टर ने जिले के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए अपेक्षा जताई कि वे नई ऊर्जा और जिम्मेदारी के साथ आमजन के कल्याण और जिले के विकास के लिए अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करेंगे तथा शासन की हितग्राही योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुँचाने में तत्पर रहेंगे, पुलिस अधीक्षक प्रशांत ठाकुर ने अपने संदेश में कहा कि जिला पुलिस शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयासरत है, उन्होंने नागरिकों से शांति, सुरक्षा और विकास में सहयोग करने तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का साथ देने की अपील की

CMYK

2026 की दहलीज़ पर कोरियाःसंकल्प,संभावनाएँ और नई राह

नया साल, नया कोरियाः उम्मीदों से भरा 2026

पर्यटन और ईको-टूरिज्म का हब बने कोरिया-यही है 2026 की उम्मीद...

झुमका से तमोर-पिंगला तकः कोरिया के पर्यटन को मिले नई उड़ान

वादों से आगे कामः2026 में अधूरे प्रोजेक्ट पूरे हों...

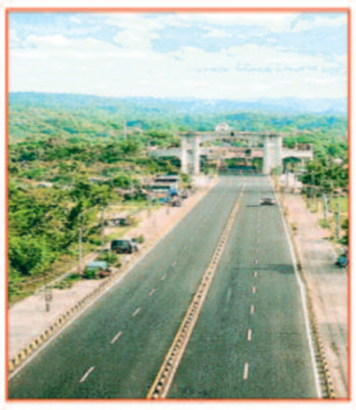

सड़क,अस्पताल,पानी-कोरिया को चाहिए रफ्तार

अधूरी योजनाएँ,अधूरी उम्मीदें-नए साल में पूरा हो विकास

कोरिया में नए साल की नई उम्मीदों के साथ नया सवेरा

पर्यटन का हब...विकास की तेज रफ्तार और प्रशासनिक पहचान-2026 से अपेक्षाएँ...

-रवि सिंह-

कोरिया,31 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। साल 2025 की स्मृतियों को समेटते हुए कोरिया जिला अब 2026 के स्वागत को तैयार है, बीते वर्ष में जहां कुछ सकारात्मक पहलें दिखीं, वहीं कई मुद्दे ऐसे रहे जिन पर दशकों पुरानी यथास्थिति बनी रही। नया साल सिर्फ कैलेंडर बदलने का नाम नहीं, बल्कि संकल्प लेने का अवसर है- कि शिक्षित कोरिया, स्वच्छ कोरिया के लक्ष्य को मिलकर साकार किया जाए, तभी 2026 जिले के इतिहास में स्वर्णिम वर्ष बन सकता है।

नए साल में जनमानस की प्रमुख उम्मीदें

पर्यटन व ईको-टूरिज्म

ईको-टूरिज्म हब बने कोरियाः झुमका बांध,गौरघाट जलप्रपात जैसे प्राकृतिक स्थलों का सुनियोजित विकास।

झुमका आइलैंड का विस्तारः वाटर स्पोर्ट्स और एडवेंचर टूरिज्म के केंद्र के रूप में पहचान।

होम-स्टे मॉडलः ग्रामीण क्षेत्रों में होम-स्टे से स्थानीय रोजगार और पर्यटन को बढ़ावा।

कृषि व स्वरोजगार

'बिहान' व मिलेट्स को बढ़ावाः कोदो-कुटकी जैसी फसलों की अपार संभावनाएं।

कोरिया मिलेट्स कैफ़ेः बैकुंठपुर-सोनहत जैसे क्षेत्रों में स्थानीय व स्वस्थ खान-पान का प्रमोशन।

फूड प्रोसेसिंग यूनिट्सः फलों-सब्जियों के लिए लघु इकाइयों से किसानों की आय में वृद्धि।

शिक्षा व कौशल विकास

डिजिटल लाइब्रेरीः प्रमुख ब्लॉक मुख्यालयों में आधुनिक डिजिटल लाइब्रेरी।

कौशल प्रशिक्षणः स्थानीय उद्योगों की मांग के अनुरूप युवाओं को ट्रेनिंग।

स्वास्थ्य व बुनियादी ढांचा

जिला अस्पताल व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में सुविधाओं का विस्तार। टेली-मेडिसिन को सुदूर गांवों तक पहुंचाने की प्राथमिकता।

स्वच्छ कोरिया, सुंदर कोरियाः जन-भागीदारी के साथ कचरा-मुक्त अभियान।

गुरु घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व

पर्यटन बढ़ने से संरक्षण मजबूत होगा और स्थानीय युवाओं को गाइड/जिप्सी संचालन में रोजगार मिलेगा-गुरु घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व 2026 में नई पहचान बना सकता है।

ग्रामीण विकासः खेल, सड़क, बिजली, राशन

सोनहत के मिनी स्टेडियमः सलगवां कला,कैलाशपुर,भैसवार, रामगढ़-काम फिर शुरू हो।

सीसी सड़केंः स्वीकृति और भुगतान के बाद भी रुका काम-2026 में पूरा हो।

विद्युतीकरणः कचोहर,बंशीपुर,चंदाहा,कदना,तंजरा-रोशनी पहुँचे।

रामगढ़-कोटडोल सड़क (41 करोड़)ः दर्जनों गांवों को जोड़ने वाला प्रोजेक्ट शीघ्र शुरू हो।

दूरस्थ गांवों में राशन दुकानेंः 20-40 किमी पैदल दूरी की मजबूरी खत्म हो।

शहरी विकासः सड़कें, रोशनी और स्मार्ट लुक

जिला मुख्यालय सड़क चौड़ीकरणः वादों से आगे बढ़कर काम; डिवाइडर, स्ट्रीट लाइट्स, फुटपाथ और हरियाली।

अधूरे निर्माण पूरे होंः स्वास्थ्य,सड़क,आवास-कछुआ चाल पर विराम।

जिला अस्पताल व एमसीएच भवन

कंचनपुर का एमसीएच -फिनिशिंग/इंटीरियर पूरा हो, सेवाएं शुरू हों।

नया जिला अस्पताल-डेडलाइन निकल चुकी; 2026 में पूर्ण होकर जनता को लाभ मिले।

जल जीवन मिशन

ग्रामीण इलाकों में पाइपलाइन है, पानी नहीं-भ्रष्टाचार की जांच हो और अधूरी कनेक्टिविटी पूरी हो। (जल जीवन मिशन)

कोरिया को मिले संभाग का दर्जा-एक पुरानी,जरूरी मांग

नए जिलों के गठन के बाद प्रशासनिक विकेंद्रीकरण की मांग तेज है। कोरिया को संभाग बनाने से मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर और सूरजपुर जैसे पड़ोसी जिलों को लाभ होगा, प्रशासनिक सुदृढ़ीकरणः कमिश्नर व आईजी कार्यालय से योजनाओं की रफ्तार,विकास की नई राहः पुलिसिंग,राजस्व,स्वास्थ्य और शिक्षा में गुणात्मक सुधार।

स्वास्थ्य की जमीनी सच्चाईःसोनहत की सोनोग्राफी

'ने साहब... अब सोनोग्राफी नई होथे का...?' यह सवाल सिर्फ एक बुजुर्ग महिला का नहीं, पूरे इलाके की पीड़ा है। 2026 में सोनहत अस्पताल की सोनोग्राफी सेवा कम से कम सप्ताह में 3 दिन बहाल हो-यही उम्मीद है।

शिवघाट के विहंगम दृश्य में पुनः लहराए राष्ट्रध्वज तिरंगा

आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में तत्कालीन मुख्यमंत्री के निर्देश पर तत्कालीन कलेक्टर कोरिया कुलदीप शर्मा द्वारा कटगोड़ी शिवघाट के वॉच टावर के पास लगभग 20 मीटर ऊँचा तिरंगा स्थापित कराया गया था, यह तिरंगा देशभक्ति का प्रतीक ही नहीं, बल्कि पर्यटन का आकर्षण भी बना। लोग यहां रुककर फोटो लेते थे, क्षेत्र में रौनक रहती थी। इसी क्रम में झुमका बोट क्लब में भी तिरंगा लगाया गया था, लेकिन बाद में कटगोड़ी शिवघाट से तिरंगा हटा दिया गया, जिससे लोगों में निराशा है। नए साल में जनमानस की स्पष्ट मांग है कि गणतंत्र दिवस से पूर्व शिवघाट वॉच टावर के पास पुनः तिरंगा स्थापित किया जाए, ताकि यह स्थल फिर से गौरव, पर्यटन और राष्टीय चेतना का केंद्र बने।

बंद मोबाइल टावर चालू हों... वनांचल को मिले डिजिटल संबल

कोरिया जिले के वनांचल क्षेत्रों में वर्षों से मोबाइल टावर बंद पड़े हैं, ग्राम मझगवां, कछाड़ी, रेवला, रामगढ़, सिंघोर, अमृतपुर, सेमरिया, सूक्तरा, उधेनी, कुर्थी, धनपुर, सलगवां खुर्द, दसेर, हर्रा डीह, कचोहर, निग्नोहर, चंदाहा, बंशीपुर, गिधेर जैसे गांव आज भी नेटवर्क के लिए तरस रहे हैं, डिजिटल इंडिया के दौर में यह स्थिति विडंबनापूर्ण है। ऑनलाइन शिक्षा, टेली-मेडिसिन, सरकारी योजनाओं और आपात सेवाओं तक पहुंच-सब बाधित है, 2026 की प्राथमिकता होनी चाहिए कि बंद टावर तुरंत चालू हों और वनांचल डिजिटल क्रांति से जुड़े।

रीपा की बंद मशीनें चलें-महिलाओं को मिले स्वरोजगार

रूरल इंडस्ट्रियल पार्क में लगी कई मशीनें आज भी धूल खा रही हैं। यदि इन्हें चालू किया जाए तो सैकड़ों महिलाओं को रोजगार और स्वरोजगार मिल सकता है, महिला सशक्तिकरण केवल नारों से नहीं, काम से होता है-और रीपा इसका सशक्त माध्यम बन सकता है।

CMYK

40 साल की एक्ट्रेस पर चढ़ा हॉटनेस का खुमार

किलर लुक से सर्दी में कराया गर्मी का एहसास

सोशल मीडिया एक ऐसा प्लेटफॉर्म है,जहां आए दिन कुछ न कुछ वायरल होता रहता है। इस बीच एक अभिनेत्री की लेटेस्ट तस्वीरें सामने आई हैं, जो बिकिनी लुक से सर्दी में गर्मी का एहसास करा रही हैं। बी टाउन एक्ट्रेस को लेकर चर्चाओं का बाजार आए दिन गर्म रहता है। मौजूदा समय में सोशल मीडिया पर बॉलीवुड की एक हसीना की लेटेस्ट फोटोज सामने आई हैं,जिनमें उनका हॉट अवतार देखने को मिल रहा है। 40 वर्षीय ये अभिनेत्री अपने किलर लुक्स से सर्दी में तापमान बढ़ाने का काम कर रही हैं। अदाकारा की बिकिनी लुक की फोटो तेजी से वायरल हो रही हैं। आइए जानते हैं कि यहां कौन सी अभिनेत्री के बारे में जिक्र या जा रहा है,जिनकी फोटोज ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है।

सोशल मीडिया पर छाई ये हसीना

जिस अभिनेत्री के बारे में इस लेख में बात की जा रही हैं,वह धुरंधर में उज्जैर बलोच की भूमिका निभाने वाले अभिनेता दानिश पंडोर की रियल लाइफ गर्लफ्रेंड हैं। इतना ही नहीं अब तक वह सलाम वेंकी और खुदा हाफिज जैसी कई मूवीज में नजर आ चुकी हैं। यहां जिक्र अभिनेत्री अहाना कुमरा के बारे में किया जा रहा है, जिन्होंने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर लेटेस्ट तस्वीरों को शेयर किया है। इन फोटो में अहाना पिंक और ब्लैक कलर की बिकिनी में दिखाई दे रही हैं।

एक्ट्रेस इन दिनों जॉर्जिया की ट्रिप पर मौजूद हैं और बर्फीली वादियों में अहाना कुमरा का बोल्ड अवतार इंटरनेट का तापमान बढ़ाने का काम कर रहा है।

आलम ये है कि अहाना की ये फोटोज अब की तरह वायरल हो रही हैं और फैंस इन पर जमकर लाइक और कमेंट कर रहे हैं। इन तस्वीरों में अहाना बेहद हॉट और गॉर्जियस लग रही हैं, उनकी ये फोटो देखकर आपकी नजरें नहीं हट पाएंगी।

इन फोटो के कैप्शन में अहाना ने लिखा है-बर्फ गिर रही है, भाप निकल रही है, पूरे दिन पूल में बेबी। उन दोस्त, प्यार और जीत के लिए बहुत आभारी हूं, जिन्होंने 2025 को यादगार बना दिया। इसके साथ ही मैं पुराने साल को साइन आउट करती हूं। बाकी आप सभी को आने वाले नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं।

इन मूवीज के लिए फेमस हैं...

हाल ही में अहाना कुमरा रियलिटी शो राइज एंड फॉल में नजर आई थीं। इससे पहले वह कई मूवीज और सीरीज में नजर आ चुकी हैं, जिनमें लिपस्टिक एंड माय बुर्का, खुदा हाफिज, एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर और इंडिया लॉकडाउन के नाम शामिल हैं।

2025 में बॉलीवुड ने खोए कई चमकते सितारे

इन दिग्गजों ने कहा दुनिया को अलविदा

साल 2025 हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के लिए गमगीन साल साबित हुआ। इस साल बॉलीवुड और एंटरटेनमेंट वर्ल्ड ने अपने कई दिग्गज कलाकारों को खो दिया, जिन्होंने दशकों तक अपनी कला से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई थी। भले ही ये सितारे अब हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनका योगदान और यादें हमेशा इंडस्ट्री और दर्शकों के दिलों में अमर रहेंगी।

2025 में इन दिग्गज कलाकारों का निधन

सतीश शाह (74 वर्ष)

मशहूर अभिनेता सतीश शाह का 74 साल की उम्र में निधन हुआ। वह लंबे समय से किडनी की बीमारी से जूझ रहे थे। सतीश शाह को टीवी शो सराभाई वर्सेस सराभाई और कई हिट फिल्मों में उनके हास्य अभिनय के लिए याद किया जाएगा।

ऋषभ टंडन

गायक, लेखक और संगीतकार ऋषभ टंडन का 21 अक्टूबर 2025 को निधन हुआ। दीपावली पर मुंबई से दिल्ली आए ऋषभ को अचानक हार्ट अटैक आया और उनकी मौत हो गई। उन्हें चांद तू, फकीर की जुबानी और ये आशिकी जैसे गानों के लिए जाना जाता था।

मनोज कुमार

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता और निर्देशक मनोज

कुमार का 4 अप्रैल 2025 को निधन हुआ। वे लंबे समय से लिवर सिरोसिस से पीड़ित थे। देशभक्ति फिल्मों के लिए पहचाने जाने वाले मनोज कुमार को 'भारत कुमार' के नाम से भी जाना जाता था।

मुकुल देव (54 वर्ष)

30 नवंबर 1970 को जन्मे मुकुल देव ने देस

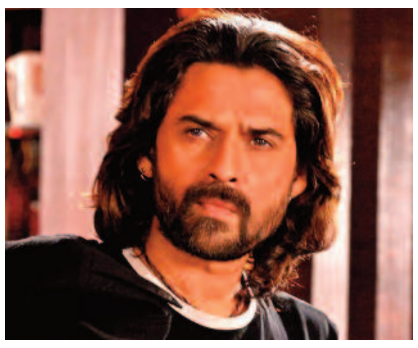

परदेस, सन ऑफ सरदार और कई टीवी शोज में अपनी पहचान बनाई। 54 साल की उम्र में उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया।

शेफाली जरीवाला (42 वर्ष)

कांटा लगा गर्ल के नाम से मशहूर शेफाली

जरीवाला का 28 जून 2025 को कार्डियक अरेस्ट से निधन हो गया। उनकी आकस्मिक मौत से इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई।

धीरज कुमार (79 वर्ष)

अभिनेता और निर्देशक धीरज कुमार का 15 जुलाई 2025 को मुंबई में निधन हुआ। वे

निमोनिया से पीड़ित थे। धीरज कुमार ने ओम नमः शिवाय जैसे टीवी शोज से खूब लोकप्रियता हासिल की।

अत्युच पोद्दार (90 वर्ष)

थ्री इडियट्स में प्रोफेसर के किरदार से पहचाने जाने वाले अत्युच पोद्दार का 18 अगस्त 2025

को 90 वर्ष की उम्र में निधन हुआ।

जुबीन गर्ग

असम के प्रसिद्ध गायक जुबीन गर्ग का 19 सितंबर 2025 को सिंगापुर में स्कूबा डाइविंग के

दौरान हादसे में निधन हो गया। उनकी मृत्यु ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया।

पंकज धीर (68 वर्ष)

महाभारत के कर्ण के रूप में याद किए जाने वाले अभिनेता पंकज धीर का 15 अक्टूबर 2025 को

कैंसर से निधन हो गया। उन्होंने टीवी और फिल्मों में कई यादगार भूमिकाएं निभाई है।

असरानी (84 वर्ष)

फिल्म शोले में 'हम जेलर साहब हैं' कह कर सबको हंसाने वाले असरानी अब हमारे बीच नहीं

हैं। 20 अक्टूबर 2025 को फेफड़ों में संक्रमण के कारण 84 वर्ष की उम्र में उनका निधन हो गया।

पीयूष पांडे (70 वर्ष)

विज्ञापन जगत के दिग्गज और 'ऐड गुरु' कहलाने वाले पीयूष पांडे का भी इस साल निधन हो गया।

मिले सुर मेरा तुम्हारा और दो बूंद जिंदगी की जैसे यादगार अभियानों से उन्होंने देश की सोच को दिशा दी थी। 2025 ने हमें सिखाया कि सितारे भले ही चले जाएं, लेकिन उनकी रोशनी हमेशा कायम रहती है। इस तरह बॉलीवुड के फिल्मी सितारे भी हमेशा अपने दर्शकों के दिल में जगमगाते रहेंगे।

फाइलों की धूल से निकलकर पर्दे पर गूंजेगा सच

फिल्म 'सागवान' में दिखेगा अंधविश्वास का खौफनाक चेहरा

पुलिस अधिकारी हिमांशु सिंह राजावत द्वारा निर्देशित और अभिनीत फिल्म सागवान जल्द ही सिनेमाघरों में आ रही है। यह फिल्म उनके वास्तविक पुलिस अनुभवों पर आधारित है और दक्षिणी राजस्थान के जंगलों में पनपे अंधविश्वास और उसके भयानक परिणामों पर प्रकाश डालती है। इसका ट्रेलर हाल ही में जारी हुआ है और ये फरवरी में रिलीज होगी।

अक्सर कहा जाता है कि पुलिस की फाइलें कभी नहीं बोलतीं, लेकिन जब उन फाइलों के पीछे छिपी चीखें किसी संवेदनशील इंसान को सुनाई दे जाएं, तो 'सागवान' जैसी फिल्म का जन्म होता है। उदयपुर के जांबाज पुलिस अधिकारी हिमांशु सिंह राजावत ने खाकी की उसी गरिमा और समाज की उसी कड़वी सच्चाई को समेटकर एक ऐसी फिल्म तैयार की है,जो जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। हाल ही में इसका ट्रेलर रिलीज हुआ है।

आस्था या अंधा डर? फिल्म उठाती है चुभते सवाल

दक्षिणी राजस्थान के सागवान के जंगलों के बीच पनपी यह कहानी किसी एक मर्डर मिस्ट्री तक सीमित नहीं है। यह फिल्म उस अंधविश्वास पर प्रहार करती है, जो आज भी विज्ञान के युग में मासूमों की जान का दुश्मन बना हुआ है। फिल्म की पटकथा इस बुनियादी सवाल को कुरेदती है कि जब इंसान की आस्था,डर में बदल जाती है, तो वह हैवानियत की हदें क्यों पार करने लगता है?

क्या है फिल्म की कहानी?

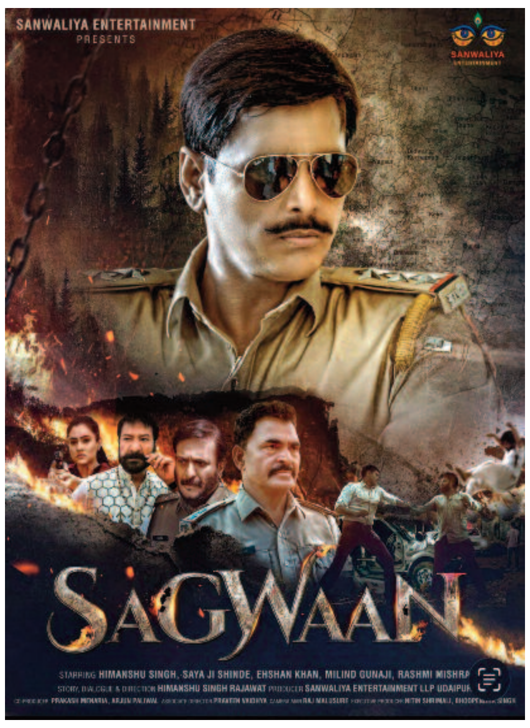

फिल्म की सबसे बड़ी यूएसपी खुद हिमांशु सिंह राजावत हैं। एक रियल लाइफ पुलिस अफसर को रील लाइफ में पुलिसिंग करते देखना दर्शकों के लिए एक अलग अनुभव होगा। राजावत ने न केवल मुख्य भूमिका निभाई है, बल्कि लेखन और निर्देशन की कमान संभालकर यह साबित किया है कि एक पुलिस वाला समाज को सिर्फ डंडे से नहीं, बल्कि सिनेमा के जरिए जागरूक करके भी सुधार सकता है। हिमांशु सिंह राजावत ने बताया कि यह कहानी किसी एक केस की फोटोकॉपी नहीं है, बल्कि मेरे करियर के उन सैकड़ों अनुभवों का निचोड़ है जहां मैंने इंसानियत को अंधविश्वास के आगे घुटने टेकते देखा है।

दिग्गज कलाकारों की जुगलबंदी

फिल्म में बॉलीवुड के मंझे हुए कलाकार अपनी कला का जौहर दिखा रहे हैं। सयाजी शिंदे अपनी कड़क आवाज और प्रभावशाली उपस्थिति के साथ स्क्रीन पर ध्यान खीचेंगे। उनके अलावा मिलिंद गुणाजी रहस्य और गहराई को पर्दे पर उतारने में माहिर हैं। वहीं एहसान खान और रश्मि मिश्रा कहानी के इमोशनल पक्ष को मजबूती देंगे।

मिट्टी की महक और कड़वा सच

निर्माता प्रकाश मेनारिया और सह-निर्माता अर्जुन पालीवाल ने फिल्म को राजस्थान की जड़ों से जोड़े रखा है। धरियावद और प्रतापगढ़ जैसे इलाकों की बोली और वहां का परिवेश फिल्म को सिनेमा से ज्यादा हकीकत के करीब ले जाता है। सेंसर बोर्ड से यूएस सर्टिफिकेट मिलने के बाद अब फैंस को बस इसकी रिलीज डेट का इंतजार है।

33 साल की एक्ट्रेस को आया था शाह रुख खान का मिस्ड कॉल

हिंदी सिनेमा के मेगा सुपरस्टार शाह रुख खान की दरियादिली के किस्से आपने बहुत सुने होंगे। आज हम आपको एक ऐसा किस्सा बताने जा रहे हैं, जब उन्होंने 33 साल की एक एक्ट्रेस को फिल्म देखने के तुरंत बाद फोन मिला दिया था। शाह रुख खान हिंदी सिनेमा के सबसे लोकप्रिय अभिनेताओं में से एक हैं। उनकी दरियादिली के किस्से जगजाहिर हैं, जिनको लेकर उनका नाम चर्चा में बना रहता है। आज हम आपको किंग खान से जुड़ा एक रोचक किस्सा बताने जा रहे हैं, जब उन्होंने 33 वर्षीय एक एक्ट्रेस को फोन लगा दिया था। शाह रुख खान उस अदाकारा की फिल्म को देखकर इतना ज्यादा एक्साइटेड हो गए थे कि खुद को फोन करने से रोक नहीं पाए थे। ऐसे में आइए जानते हैं कि यहां कौन सी अभिनेत्री के बारे में जिक्र किया जा रहा है।कल्पना कीजिए कि आप अपने खाने का लुत्फ ले रहे हो, उस समय बालीवुड के बादशाह शाह रुख खान की मिस्ड काल आए तो यकीन करना मुश्किल होगा। ऐसा ही कुछ हुआ था रात अकेली है अभिनेत्री राधिका आप्टे के साथ। एक मीडिया इंटरव्यू के दौरान किस्सा सुनाते हुए वह कहती हैं...मैं मैंगलोर मैं एक कार्यक्रम के लिए गई थी। तब मेरी मैनेजर का नाम भी राधिका था। हम दोनों खाने के बहुत शौकीन हैं। तो देखा कि कहां से खाना मंगवाने वाले हैं। बहुत बढ़िया खाना मंगवाया होटल में। हम खाना खा रहे थे तभी फोन पर मिस्ड काल देखी। बाद में उसी नंबर से मैसेज आया कि मैं शाह रुख खान हूं।

खेल समाचार

सरफराज के शतक से मुंबई जीता

विजय हजारे ट्रॉफी में 157 रन बनाए, पडिक्कल का चार मैचों में तीसरा शतक

मुंबई,31 दिसम्बर 2025। सरफराज खान के शतक की बदौलत मुंबई ने गोवा को 87 रन से हरा दिया। विजय हजारे ट्रॉफी के चौथे राउंड में खेले गए इस मुकाबले में सरफराज ने बुधवार को सिर्फ 75 गेंदों में 157 रन की तेज पारी खेली। जयपुरिया विद्यालय ग्राउंड पर मुंबई ने 50 ओवर में 8 विकेट खोकर 444 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। सरफराज की पारी में 9 चौके और 14 छक्के शामिल रहे। उनके अलावा हार्दिक तामोरे ने 53, मुशीर खान ने 60 और ओपनर यशस्वी जायसवाल ने 46 रन का योगदान दिया। गोवा की ओर से दर्शन ने 3 विकेट झटके, जबकि वी.कौशिक और ललित यादव को 2-2 सफलता मिली।

जवाब में गोवा की टीम 9 विकेट पर 357 रन ही बना सकी। टीम के लिए अभिनव तेजराना ने शतक जरूर लगाया, लेकिन बाकी बल्लेबाज बड़े लक्ष्य के दबाव में टिक नहीं सके और मुंबई ने मुकाबला अपने नाम कर लिया।

कर्नाटक ने पुडुचेरी को हराया

कर्नाटक के कप्तान मयंक अग्रवाल और देवदत्त पडिक्कल ने पुडुचेरी के

खिलाफ शतक जड़े। पडिक्कल के लिए यह इस सीजन में चार मैचों में तीसरा शतक रहा। इससे पहले उन्होंने 22, 124 और 147 रन की पारियां खेली थीं।

इस मुकाबले में मयंक अग्रवाल ने 132 और देवदत्त पडिक्कल ने 113 रन बनाए, जिसकी मदद से कर्नाटक ने 4 विकेट खोकर 363 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए पुडुचेरी की टीम 296 रन पर ऑलआउट हो गई। कर्नाटक ने 67 रन से जीत हासिल की। वहीं ग्रूप-बी के एक मुकाबले में बंगाल ने जम्मू-कश्मीर को 9 विकेट से करारी शिकस्त दी। जम्मू-कश्मीर ने सिर्फ 64 रन का लक्ष्य दिया था, जिसे बंगाल ने 10 वें ओवर में ही हासिल कर लिया।

केरल 2 विकेट से जीता

केरल ने राजस्थान को 2 विकेट से हराकर नॉकआउट में जाने की उम्मीदें जिंदा रखीं हैं। 45वें ओवर में 7 विकेट पर 287 रन के स्कोर पर केरल की नॉकआउट की उम्मीदें लगभग खत्म होती दिख रही थीं। लेकिन आठवें विकेट के लिए ईडन एप्पल टॉम और अंकित शर्मा ने जबरदस्त बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान के 343/7 के लक्ष्य को हासिल कर लिया।अंकित शर्मा ने 27 रन बनाए, जबकि ईडन एप्पल टॉम 18 गेंदों पर नाबाद 40 रन बनाकर लौटे। जब केरल को जीत के लिए 4 गेंदों में 10 रन चाहिए थे तब टॉम ने सिक्स लगा दिया।इस जीत के साथ केरल के चार मैचों में दो जीत हो गई हैं और टीम अब भी नॉकआउट की दौड़ में बनी हुई है। वहीं राजस्थान की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। ग्रुप, में यह उनकी लगातार चौथी हार रही और टीम तालिका में सबसे नीचे जूझ रही है।

क्रिस लिन की तूफानी पारी,स्ट्राइकर्स ने ब्रिस्बेन को 7 विकेट से हराया

एडिलेड,31 दिसम्बर 2025। एडिलेड स्ट्राइकर्स ने एडिलेड ओवल में खेले गए बिग बैश लीग (बीबीएल) 2025-26 के 17वें मुकाबले को अपने नाम किया। इस टीम ने ब्रिस्बेन हीट को 7 विकेट से मात दी। इस जीत के साथ एडिलेड स्ट्राइकर्स प्वाइंट्स टेबल में चौथे स्थान पर पहुंच गई है। इस टीम ने अब तक 4 में से 2 मुकाबले जीते हैं। वहीं, ब्रिस्बेन हीट 5 में से 3 मुकाबले गंवाने के बाद पांचवें पायदान पर मौजूद है। इस टीम ने अपने अभियान का पहला मैच जीता था, जिसके बाद पर्थ के विरुद्ध शानदार जीत दर्ज की, लेकिन इसके बाद से टीम ने तीन में से 2 मैच गंवा दिए। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी ब्रिस्बेन हीट की टीम 19.4 ओवरों में 121 रन पर सिमट गई। इस टीम ने 8 के स्कोर पर कॉलिन मुनरो (4) का विकेट गंवा दिया था। इसके बाद विकेटों का पतझड़ लग गया। आलम ये रहा कि टीम 67 के कुल योग तक अपने 7 विकेट खो चुकी थी। यहां से ह्यूग वेइबगेन ने मैथ्यू कुह्नमैन के साथ आठवें विकेट के लिए 36 रन जुटाते हुए टीम को 100 के पार पहुंचा दिया। ह्यूग वेइबगेन 33 गेंदों में 28 रन बनाकर आउट हुए, जबकि मैथ्यू कुह्नमैन ने 2 गेंदों में 3 छक्कों और 1 चौके के साथ नाबाद 31 रन बनाए। विपक्षी टीम की तरफ से जेमी ओवरटन ने सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए। इनके अलावा, लियाम स्कॉट और हसन अली ने 2-2 विकेट अपने नाम किए। इसके जवाब में एडिलेड स्ट्राइकर्स ने 14.1 ओवरों में ही जीत दर्ज कर ली। इस टीम को कप्तान मैथ्यू शॉर्ट और क्रिस लिन की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने 7.1 ओवरों में 51 रन जुटाए। मैथ्यू शॉर्ट 27 गेंदों में 2 चौकों के साथ 19 रन बनाकर पवेलियन लौटे। यहां से क्रिस लिन ने 41 गेंदों में 6 छक्कों और इतने ही चौकों की मदद से 79 रन की नाबाद पारी खेलते हुए टीम को जीत दिलाई। ब्रिस्बेन की तरफ से ओले पैटरसन, जैवियर बार्टलेट और थॉमस बाल्किन ने 1-1 विकेट निकाले हैं।

प्रदेश छत्तीसगढ़ को 2026 से क्या उम्मीदें?

शासन और भविष्य के बीच एक संकल्प

न्यूज डेस्क

रायपुर,31 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)। साल 2025 को विदा करते हुए छत्तीसगढ़ 2026 में नई उम्मीदों,नए सवालों और नई अपेक्षाओं के साथ प्रवेश कर रहा है,नया साल सिर्फ तारीखों का बदलाव नहीं,बल्कि प्रदेश की दिशा और गति तय करने का अवसर है,जनता चाहती है कि 2026 वह साल बने,जब घोषणाएँ जमीन पर दिखें और विकास का लाभ आखिरी व्यक्ति तक पहुँचे।

तेज और दिखने वाला विकास

- प्रदेश की पहली उम्मीद यही है कि विकास की रफ्तार तेज हो।
- अधूरे सड़क, पुल, अस्पताल और आवासीय प्रोजेक्ट पूरे हों
- योजनाओं में देरी और लागत बढ़ने की परंपरा पर लगाम लगे
- हर जिले में समय-सीमा आधारित कार्य संस्कृति दिखाई दे जनता अब 'शुरुआत' नहीं, परिणाम देखना चाहती है।

शिक्षा और कौशल

प्रदेश की उम्मीद है कि...

- सरकारी स्कूलों और कॉलेजों की गुणवत्ता सुधरे।
- डिजिटल लाइब्रेरी,कोचिंग सपोर्ट और स्किल ट्रेनिंग बढ़े।
- प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए जिला स्तर पर संसाधन मिलें शिक्षा केवल

किसान, कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था छत्तीसगढ़ की आत्मा गांवों में बसती है.. 2026 से उम्मीद है कि...

- धान के साथ-साथ मिलेट्स,दलहन और तिलहन को बढ़ावा मिले।
- सिंचाई,बीज और खाद की उपलब्धता सरल हो।
- ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार और फूड प्रोसेसिंग को बढ़ावा मिले किसान सम्मान नहीं, आर्थिक सुरक्षा चाहता है।

रोजगार और उद्योग...युवाओं की सबसे बड़ी अपेक्षा है-रोजगार

- स्थानीय उद्योगों को प्रोत्साहन।
- खनिज-समृद्ध क्षेत्रों में वैल्यू एडिशन।
- स्टार्टअप और एमएसएमई को आसान ऋण व प्रशिक्षण 2026 में युवा सिर्फ नौकरी नहीं, भविष्य की गारंटी चाहते हैं।

स्वास्थ्य : सुविधा, भरोसा और पहुँच

- कोविड के बाद स्वास्थ्य सबसे बड़ी प्राथमिकता है।
- जिला अस्पतालों और सीएचसी में डॉक्टर, उपकरण और दवाइयाँ
- टेली-मेडिसिन और मोबाइल हेल्थ यूनिट्स
- मातृ-शिशु स्वास्थ्य और बुजुर्गों की देखभाल 2026 में बीमारी से ज़्यादा जरूरी है-इलाज पर भरोसा।

आदिवासी क्षेत्र और बस्तर...छत्तीसगढ़ की पहचान आदिवासी संस्कृति है...

- शिक्षा,स्वास्थ्य और संचार की बेहतर पहुँच।
- वनाधिकार और आजीविका का संरक्षण।
- सुरक्षा के साथ विकास का संतुलन बस्तर को दया नहीं,बराबरी चाहिए।

सुशासन और पारदर्शिता...प्रदेश की सबसे बड़ी उम्मीद है...

- भ्रष्टाचार पर सख्त और निष्पक्ष कार्रवाई।
- ऑनलाइन सेवाओं का सरल और तेज क्रियान्वयन।
- अधिकारी जवाबदेह हों, फाइलें नहीं अटकें जनता चाहती है कि शासन सुने भी और सुधारे भी।

2026 से छत्तीसगढ़ की उम्मीद साफ है...

विकास ऐसा हो जो दिखे, नीतियाँ ऐसी हों जो समझ आएँ,और शासन ऐसा हो जिस पर भरोसा हो,अगर सरकार की नीयत, नीति और निगरानी एक साथ चलें,तो 2026 छत्तीसगढ़ के लिए उम्मीदों का नहीं,उपलब्धियों का साल बन सकता है।

नए साल का तोहफा...राज्य पुलिस सेवा के 16 अधिकारियों को मिला प्रमोशन,आदेश जारी

रायपुर,31 दिसम्बर 2025। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अनुशंसा पर और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा की विशेष पहल से राज्य पुलिस सेवा के अधिकारियों को वर्ष के अंतिम दिन एक महत्वपूर्ण सौगात मिली है। छत्तीसगढ़ शासन के गृह (पुलिस) विभाग द्वारा जारी आदेश के तहत पुलिस अधिकारियों के हित में यह निर्णय लिया गया है, जिसे पुलिस महकमे में उत्साहवर्धक कदम माना जा रहा है।

16 अधिकारियों को नए साल का तोहफा

गृह (पुलिस) विभाग द्वारा विभागीय पदोन्नति एवं छानबीन समिति की अनुशंसा के आधार पर राज्य पुलिस सेवा संवर्ग के वरिष्ठ श्रेणी वेतनमान प्राप्त 16 अधिकारियों को उप पुलिस अधीक्षक/सहायक सेनानी या समतुल्य रैंक के पद से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक/उप सेनानी या समतुल्य रैंक के पद पर स्थानापन्न रूप से पदोन्नत किया गया है। पदोन्नत अधिकारियों में रितेश चौधरी, जितेन्द्र कुमार खूंटे, मती अंजली नाग (गुप्ता),कर्ण कुमार उके,मनोज कुमार ध्रुव,पुष्पेन्द्र नायक,मनोज तिर्की,मती सारिका वैद्य,सुनिधि नाग,कपिल चन्द्रा, अविनाश कुमार मिश्रा,ईश्वर प्रसाद त्रिवेदी,योगेश कुमार साहू,मयंक तिवारी,सुरश्मीत कौर चांवला तथा अनिल कुमार विश्वकर्मा शामिल हैं।

खड़े ट्रेलर में लगी आग...जिंदा जला 3 साल का मासूम,परिवार में पसरा मातम

बिलासपुर,31 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में आज एक बड़ा हादसा हुआ, जहां खड़े ट्रेलर में आग लगने से 3 साल के मासूम की जलकर मौत हो गई। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची है और मर्ग कायम कर घटना की जांच शुरू कर दी है। यह मामला रतनपुर के सांधी पारा का है। घटना के बाद परिवार में मातम पसर गया है। जानकारी के मुताबिक खड़े ट्रेलर CG10 BJ 9291 की सीट पर बालक अनमोल यादव सो रहा था। इस दौरान ट्रेलर के इंजन में आग लग गई। इस हादसे में मासूम अनमोल की मौके पर ही जलकर मौत हो गई। बताया जा रहा कि पिता संजय यादव पेशे से ड्राइवर है। शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रायपुर पुलिस के 59 अफसर बदले..सतीश सिंह बने कोतवाली निरीक्षक;शराब-माफियाओं पर कार्रवाई नहीं करने पर भावेश गौतम की यातायात में पोस्टिंग

रायपुर,31 दिसम्बर 2025। नए साल की शुरुआत से ठीक पहले रायपुर एसएसपी ने पुलिस महकमे में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी आदेश के तहत शहर के अलग-अलग थानों और इकाइयों में पदस्थ निरीक्षक, एसआई और एएसआई के 59 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों का तबादला किया गया है। इस तबादले को नए साल में कानून-व्यवस्था को और सख्त बनाने तथा पुलिसिंग में सक्रियता बढ़ाने के तौर पर देखा जा रहा है। एसएसपी लाल उम्मेद सिंह की ओर से जारी आदेश के अनुसार, निरीक्षक सतीश सिंह अब कोतवाली थाना संभालेंगे। निरीक्षक एसएन सिंह कबीर नगर और निरीक्षक सुनील दास को गंज थाना की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं गंज थाना में पदस्थ रहे निरीक्षक भावेश गौतम को यातायात में पोस्टिंग दी गई है। उन पर शराब माफियाओं पर एक्शन नहीं लेने का आरोप लगा था। भावेश गौतम के खिलाफ एसएसपी और आईजी कार्यालय में भी शिकायत की गई थी। एसएसपी ने निरीक्षकों के साथ 18 सब इंस्पेक्टरों का तबादला भी किया है।

साय कैबिनेट में बड़ा फैसला...रायपुर में 23 जनवरी से लागू होगी पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली

रायपुर, 31 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में साल की आखिरी कैबिनेट बैठक हुई। इस बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसलों पर मुहर लगी है। रायपुर में 23 जनवरी से कमिश्नरेट प्रणाली लागू करने का फैसला लिया गया है। साथ ही राइस मिलर्स को बैंक गारंटी की बड़ी राहत दिए जाने का फैसला लिया है।

कैबिनेट की बैठक में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए...

1. मंत्रिपरिषद द्वारा रायपुर महानगरीय पुलिस जिला में पुलिस आयुक्त प्रणाली को 23 जनवरी से लागू किए जाने के संबंध में निर्णय लिया गया है।
2. मंत्रिपरिषद द्वारा प्रदेश में कस्टम मिलिंग के लिए धान उपार्जन एवं परिवहन से संबंधित गतिविधियों के लिए राइस मिलर्स द्वारा दी जाने वाली बैंक गारंटी पर देय स्टाम्प शुल्क को 0.25 से घटाकर 0.05 प्रतिशत करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है।
3. मंत्रिपरिषद की बैठक में तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों से 5500 रुपये प्रति मानक बोरा की दर से तेंदूपत्ता खरीदने के लिए वर्ष 2026 हेतु ऋण लेने के लिए राज्य शासन की गारंटी देने की अनुमति दी गई।
4. मंत्रिपरिषद ने कोदो-कुटकी और रागी की खरीद,प्रसंस्करण और बिक्री के लिए छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ को कार्यशील पूंजी प्रदाय किये जाने की अनुमति दी गई।
5. मंत्रिपरिषद ने छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ को अराष्ट्रीयकृत लघु वनोपज के क्रय,भंडारण, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और विपणन के लिए एक बार के लिए 30 करोड़ रुपये का ब्याज मुक्त ऋण देने का निर्णय लिया है।
6. मंत्रिपरिषद ने छत्तीसगढ़ राज्य अंत्यावसायी सहकारी वित्त एवं विकास निगम द्वारा राज्य शासन की प्रत्याभूति (गारंटी) पर लिए गए ऋणों के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय लिया। इसके अंतर्गत राज्य शासन द्वारा 55.69 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान कर पांच राष्ट्रीय निगमों से लिए गए ऋणों की पूर्ण राशि वापस करने का अनुमोदन किया गया। ये राष्ट्रीय निगम हैं...राष्ट्रीय अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम,राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति वित्त एवं विकास निगम, पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम, अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास निगम और दिव्यांग वित्त एवं विकास निगम। वर्तमान में इन ऋणों पर राज्य शासन द्वारा प्रतिवर्ष लगभग 2.40 करोड़ रुपये ब्याज का भुगतान किया जा रहा है। ऋण की पूरी अदायगी होने पर यह ब्याज व्यय पूरी तरह समाप्त हो जाएगा।
7. मंत्रिपरिषद ने उसना मिलिंग पर प्रोत्साहन राशि 20 रू. प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 40 रू. प्रति क्विंटल किए जाने का निर्णय लिया है। सभी मिलरों के लिए प्रोत्साहन राशि की पात्रता के लिए अब न्यूनतम 03 माह की जगह न्यूनतम 02 माह की मिलिंग करनी होगी।
8. मंत्रिपरिषद ने औद्योगिक विकास नीति 2024-30 में संशोधन का निर्णय लिया। इससे नीति के सफल क्रियान्वयन के लिए प्रचार-प्रसार, विशेषज्ञों की नियुक्ति और सेवा गतिविधि प्रमाणपत्र जारी करने के संबंध में विसंगतियां दूर होंगी।
9. मंत्रिपरिषद ने राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज ग्राउंड में 20 जनवरी से 5 फरवरी तक आयोजित 9 वें ऑटो एक्सपो के दौरान बिकने वाले वाहनों पर लाइफ टाइम रोड टैक्स में 50 प्रतिशत छूट प्रदान करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। यह छूट एक्सपो में वाहन बिक्री के बाद पंजीकरण के समय लागू होगी, जिससे मोटरयान कर में एकमुश्त 50 प्रतिशत की राहत मिलेगी। पूरे प्रदेश के वाहन विक्रेताओं को इसका लाभ मिलेगा, इस संबंध में निर्देशित किया गया है।
10. मंत्रिपरिषद द्वारा पुलिस मुख्यालय छत्तीसगढ़ नवा रायपुर अटल नगर में विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी का एक नवीन पद वेतन मेट्रिक्स लेवल-14 एक वर्ष की अवधि के लिए स्थायी रूप से निर्मित किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है।

पर्यावरण पर भागवत बोले...दो ही विकल्प,उजाड़ो या बनाओ

इसी कॉन्सेप्ट पर दुनिया चल रही,बीच का रास्ता निकालना पड़ेगा,सीएम साय ने बनाए नोट्स

रायपुर,31 दिसम्बर 2025। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत 3 दिवसीय छत्तीसगढ़ दौरे पर हैं। वे रायपुर के अभनपुर में विराट हिंदू सम्मेलन में शामिल हुए। इस दौरान सीएम विष्णुदेव साय नोट्स बनाते हुए नजर आए। मोहन भागवत ने कहा कि लोगों को जाति, धन या भाषा के आधार पर जज नहीं करना चाहिए। ये देश सबका है। सद्भाव की दिशा में पहला कदम भेदभाव की भावनाओं को दूर करना और सभी को अपना मानना है। भागवत ने पारिवारिक मेलजोल पर जोर देते हुए कहा कि परिवारों को सप्ताह में कम से कम एक दिन एक साथ बिताना चाहिए, अपनी आस्था के अनुसार प्रार्थना करनी चाहिए, घर का बना खाना एक साथ खाना चाहिए और सार्थक चर्चा करनी चाहिए। भागवत ने इन चर्चाओं को 'मंगल संवाद' कहा। इससे पहले मोहन भागवत ने रायपुर के एम्स ऑडिटोरियम में

युवा संवाद कार्यक्रम में पर्यावरण को लेकर कहा कि वर्तमान में दुनिया केवल दो ही कॉन्सेप्ट पर चल रही है। या तो उजाड़ दो या बना दो। उन्होंने कहा कि या तो जंगल काटकर विकास कर लो, या जंगल बचाकर विकास रोक दो। हमें बीच का रास्ता निकालना होगा,जिसमें जंगल भी बचे रहें और विकास भी हो। मौजूदा समय में इस दिशा में केवल भारत ही काम कर रहा है। दूसरे देश न तो इस बात पर गंभीरता से सोच रहे हैं कि जंगल भी बचें और विकास भी हो सके। धर्मांतरण को लेकर कहा कि अपने ही लोगों पर अविश्वास, मतांतरण का एक बड़ा कारण है। अगर अपने लोगों पर दोबारा विश्वास स्थापित हो जाए तो लोग स्वयं ही घर वापसी करने लगेंगे। इसके लिए हमारे लोगों को उनके पास जाना पड़ेगा, उनके दुख-सुख में शामिल होना पड़ेगा।

मतांतरण कर चुके लोगों को सम्मान और प्रेम देना चाहिए...

मोहन भागवत ने आगे कहा कि हमारे लोगों को मतांतरण कर चुके लोगों को सम्मान और प्रेम देना चाहिए। उनके मन से अपने समाज के प्रति हीन भावना दूर करनी होगी। धर्मांतरण कर चुके लोगों को यह समझाना होगा कि हम उनके साथ खड़े हैं। हमें ऐसा प्रयास करना होगा कि वे पिछड़ेपन से आगे बढ़ सकें।

जगदलपुर पुलिस ने फर्जी कॉल सेंटर का किया भंडाफोड़,5 अरेस्ट

जगदलपुर,31 दिसम्बर 2025। साइबर ठगी के खिलाफ बस्तर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। नगरनार थाना क्षेत्र में दर्ज 20 लाख रुपये की साइबर ठगी के मामले में पुलिस ने दिल्ली के जनकपुरी स्थित एक फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दरअसल, अप्रैल महीने में नगरनार निवासी कमलोचन कश्यप ने थाना नगरनार में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनसे इंश्योरेंस प्रीमियम जमा कराने के

नाम पर अलग-अलग किश्तों में करीब 20 लाख रुपए वसूले गए। जब इंश्योरेंस की मैच्योरिटी राशि लेने का समय आया, तब उन्हें ठगी का एहसास हुआ। शिकायत के बाद नगरनार थाना और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने तकनीकी जांच शुरू की। जांच के दौरान ठगों की लोकेशन दिल्ली के आसपास मिलने की पुष्टि हुई। इसके बाद पुलिस टीम ने दिल्ली के जनकपुरी इलाके में छापेमार कार्रवाई की,जहां एक कॉल सेंटर के जरिए यह पूरी ठगी संचालित की जा रही थी। छापे के दौरान पुलिस ने कॉल सेंटर से कुल पांच लोगों को गिरफ्तार किया, जिनमें इस गिरोह का मुख्य सरगना ओमप्रकाश प्रभु बताया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में लंबित प्रकरणों में आई ऐतिहासिक कमी,मुख्य न्यायधीश रमेश सिन्हा के नेतृत्व में न्यायिक दक्षता को मिली नई दिशा

बिलासपुर,31 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय (बिलासपुर हाईकोर्ट) की ओर से न्यायिक कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी, संवेदनशील एवं समयबद्ध बनाने की दिशा में किए जा रहे सतत एवं समन्वित प्रयासों के परिणाम स्वरूप वर्ष 2025 में लंबित प्रकरणों की संख्या में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। यह उपलब्धि त्वरित, पारदर्शी एवं सुलभ न्याय के प्रति उच्च न्यायालय की दृढ़ प्रतिबद्धता को प्रतिध्वनित करती है। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा जी की प्रेरणा, दूरदर्शी नेतृत्व एवं निरंतर मार्गदर्शन में उच्च न्यायालय ने 'न्याय में देरी, न्याय से वंचना की भावना को आत्मसात करते हुए प्रकरणों के शीघ्र एवं प्रभावी निराकरण पर विशेष बल दिया है। उनके कुशल नेतृत्व में न्यायिक दक्षता, उत्तरदायित्व एवं संस्थागत उत्कृष्टता को सुदृढ करने के लिए ठोस नीतिगत दिशा-निर्देश, सतत निगरानी एवं न्याय वितरण प्रणाली से जुड़े सभी हितधारकों के साथ समन्वय स्थापित किया गया।

उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, एक जनवरी 2025 को उच्च न्यायालय में कुल 84,305 प्रकरण लंबित थे। वर्ष 2025 के दौरान 55,416 नवीन प्रकरण संस्थित हुए, जबकि इसी अवधि में 64,054 प्रकरणों का निराकरण किया गया। परिणाम स्वरूप वर्ष के अंत तक लंबित प्रकरणों की संख्या में 8,638 की कमी दर्ज की गई, जो लगभग 10.25 प्रतिशत की उल्लेखनीय गिरावट को दर्शाती है। विशेष रूप से यह तथ्य उल्लेखनीय है कि वर्ष 2025 में निराकरण दर संस्थापन की तुलना में 115.59 प्रतिशत रही, जिससे यह स्पष्ट होता है कि नए प्रकरणों की अपेक्षा अधिक पुराने प्रकरणों का सफलतापूर्वक निराकरण किया गया।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2023-2025-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)